-: सुविचार :-

''अपने मिशन में सफल होने के लिए आपको अपने लक्ष्य के प्रति एक चित भाव से समर्पित होना पड़ेगा।''

कलम लोक

Website : www.kalamlok.com

सीएम हाउस से संगठित अपराध का...

वर्ष 07 | अंक 347 | बक्सर, सोमवार 01 जुलाई 2024 | पृष्ठ - 8 | मूल्य - 2 रूपये

मॉस्को में बने मंदिर, पीएम मोदी की यात्रा से पहले रूस में जोर पकड़ रही हिंदुओं की मांग

नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रूस जाने की तैयारी कर रहे हैं। इसी बीच खबरें हैं कि रूस में अब हिंदू मंदिर की मांग लेकर समुदाय एकजुट होता नजर आ रहा है। खास बात है कि नेपाल और भारत जैसे दक्षिण पूर्व एशिया के देशों में सबसे ज्यादा माना जाने वाले हिंदू धर्म ने 1900 के दशक के आसपास रूस में मौजूदगी दर्ज कराना शुरू कर दी थी। रूस में बड़ी संख्या में ईसाई धर्म मानने वाले हैं। रिपोर्ट के अनुसार, इंडियन बिजनेस अलायंस के अध्यक्ष स्वामी कोटवानी ने रूस की राजधानी मॉस्को में पहली हिंदू इमारत तैयार करने की इच्छा जाहिर की है।

माना जाता है कि भारत के साथ मजबूत रिश्तों के चलते रूसी सरकार हिंदू मांगों को लेकर खासी गंभीर है। हालांकि, यहां पहले से ही हिंदू धर्म से जुड़े भवन और समुदायिक केंद्र मौजूद हैं। अब पीएम मोदी 8 जुलाई को रूस पहुंच रहे हैं। इससे पहले ही हिंदू समुदाय ने मॉस्को में हिंदू मंदिर बनाए जाने की इच्छा जाहिर कर दी है। मॉस्को और सेंट पीटर्सबर्ग में कई ISKCON मंदिर मौजूद हैं। हालांकि, ये मंदिर एक सादे भवन में हैं, जिसे भारतीय समुदाय बदलना चाहता है और मंदिर जैसी इमारत की मांग देश की सरकार के सामने रख दी है।

रूस दौरे पर पीएम मोदी रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन से भी मुलाकात करेंगे। खास बात है कि लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद संभालने के बाद मोदी का यह पहला विदेशी दौरा होगा। लोकसभा चुनाव 2024 के परिणाम जारी होने के बाद पुतिन ने मोदी को फोन पर बधाई भी दी थी। हालांकि, भारतीय जनता पार्टी इस पास स्पष्ट बहुमत हासिल नहीं कर सकी थी, लेकिन NDA सरकार बनाने में सफल रही। दोनों नेता इस साल के अंत में रूस के कज़ान में आयोजित होने वाले ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में भी भाग लेंगे। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री मोदी की यह यात्रा तब हो रही है जब रूस ने भारत के साथ एक रसद साझीदारी समझौते को मंजूरी दे दी है। दोनों पक्ष पिछले कुछ वर्षों से संयुक्त सैन्य तैनाती पर बातचीत कर रहे हैं, जो अनिवार्य रूप से एक पारस्परिक रसद विनिमय (आरईएलओएस) सौदा है। यह समझौता रूस और भारत के सैन्य संरचनाओं, युद्धपोतों और सैन्य विमानों के पारस्परिक रवानगी की प्रक्रिया पर है।

फ्रांस में हो रहे चुनाव, भारत में हुई वोटिंग, 3 राज्यों में बने थे मतदान केंद्र

पुडुचेरी (एजेंसी)। फ्रांस में हो रहे संसदीय चुनावों के पहले दौर में रविवार को भारत में भी फ्रांसीसी नागरिकों ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। तमिलनाडु, केरल और केंद्रशासित प्रदेश पुडुचेरी में फ्रांसीसी नागरिकों ने मतदान किया। पुडुचेरी में फ्रांस के महावाणिज्य दूतावास और चेन्नई में ब्यूरो डी फ्रांस ने स्थानीय अधिकारियों की मदद से चुनाव का आयोजन किया। इन जगहों पर 4,550 फ्रांसीसी नागरिक हैं। अधिकारियों ने चार स्थानों पर अलग-अलग मतदान केंद्र बनाए थे, जिसमें दो पुडुचेरी, एक चेन्नई में और एक कराईकल में था। फ्रांस की महावाणिज्य दूत लिसे टैलबोट बैरे ने भी अपना वोट डाला।

फ्रांस में पहले चरण के संसदीय चुनाव में रविवार को 65.5 प्रतिशत तक मतदान हुआ। वहीं, पिछले चुनाव 2022 में 47.5 फीसदी मतदान हुआ था। अनुमान लगाया जा रहा है कि नाजी युग के बाद सत्ता की बागडोर पहली बार राष्ट्रवादी और धुर-दक्षिणपंथी ताकतों के हाथों में जा सकती है। देश में तीन साल पहले दो चरणों में हो रहे संसदीय चुनाव सात जुलाई को संपन्न होंगे। फ्रांस में संसदीय चुनाव के लिए रविवार सुबह आठ बजे मतदान शुरू हुआ। चुनाव परिणाम के रुझान देर रात आने शुरू होंगे। बंपर मतदान से कयास लगा जा रहा है कि मैक्रों को इस चुनाव में झटका लग सकता है। बावजूद इसके वह राष्ट्रपति बने रहेंगे। इस मध्यावधि चुनाव में मैक्रों का टुगेदर फॉर द रिपब्लिक गठबंधन, मरीन ले पेन की नेशनल रैली (आरएन), न्यू पॉपुलर फ्रंट अलायंस मैदान में हैं। चुनाव परिणाम संबंधी पूर्वानुमान के अनुसार संसदीय चुनाव में नेशनल रैली की जीत की संभावना है। नया वामपंथी गठबंधन न्यू पॉपुलर फ्रंट भी व्यापार समर्थक मैक्रों और उनके मध्यमार्गी गठबंधन टुगेदर फॉर द रिपब्लिक के लिए चुनौती पेश कर रहा है। नेशनल रैली का नस्लवाद और यहूदी-विरोधी भावना से पुराना संबंध है और यह फ्रांस के मुस्लिम समुदाय की विरोधी मानी जाती है। इस साल जून की शुरुआत में यूरोपीय संसद के चुनाव में नेशनल रैली से मिली करारी शिकस्त के बाद मैक्रों ने फ्रांस में मध्यावधि चुनाव की घोषणा की थी।

बलात्कार के आरोपियों के घरों पर चला बुलडोजर, असम सरकार का बड़ा ऐक्शन

गुवाहाटी (एजेंसी)। असम के ग्वालपाड़ा जिले में रविवार को सरकारी जमीन पर अतिक्रमण के चलते 5 व्यक्तियों के मकान ढहा दिए गए। ढहाए गए मकानों में बलात्कार और हत्या के 3 आरोपियों के मकान भी शामिल हैं। यह जानकारी अधिकारियों ने दी। जिला प्रशासन के सीनियर अधिकारी के अनुसार, दुधनोई राजस्व क्षेत्र की सीमा अंतर्गत तंगाबारी गांव में कुछ व्यक्तियों ने सरकारी जमीन पर अपने मकान बनाए थे। उन्हें इन ढांचों को हटाने के लिए नोटिस दिए गए थे। उन्होंने पीटीआई को बताया कि उन्होंने जमीन से कब्जा हटाने के नोटिस का पालन नहीं किया, इसलिए अतिक्रमण हटाने के लिए अभियान चलाया गया।

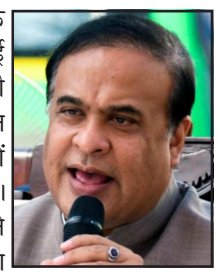

दुधनोई परिक्षेत्र कार्यालय के एक अन्य अधिकारी ने बताया कि दिन में जिन 5 लोगों के घर गिराए गए, उनमें से तीन पर मई में 2 नाबालिग लड़कियों के साथ बलात्कार करने और इसके बाद हुई झड़प में एक युवक की हत्या में शामिल होने का आरोप है। उन्होंने दावा किया, %इस कार्रवाई का मामले से कोई संबंध नहीं है। पुलिस की ओर से आपराधिक मामले की जांच की जा रही है। हमने सरकारी जमीन पर अतिक्रमण हटाने के लिए ही यह अभियान चलाया था। हालांकि, स्थानीय लोगों ने दावा किया कि कथित अतिक्रमणकारियों को शनिवार को नोटिस दिया गया था, न कि 15 दिन पहले जैसा कि प्रशासन ने कहा था।

भारी संख्या में पुलिसकर्मियों की मौजूदगी में टिन की छत वाले कंक्रीट के घरों को गिराने के लिए बुलडोजर लगाए गए थे। परिवार के सदस्यों को घरों से अपना सामान निकालकर ट्रैक्टर ट्रॉलियों में लादते हुए देखा गया और फिर वे इलाके से निकल गए। 3 मई को दो नाबालिग लड़कियों के साथ तीन लोगों ने कथित तौर पर बलात्कार किया था। इसके बाद, लड़कियों के गांव के लोगों और आरोपियों के बीच झड़प हो गई थी। झड़प में एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया था और 17 मई को उसकी मौत हो गई थी। असम के पर्यटन मंत्री जयंत मल्ला बरुआ ने शनिवार को पीड़ित युवक के घर गए थे और पत्रकारों से कहा कि इस तरह के हमले बर्दाश्त नहीं किए जाएंगे।

सबसे पहले यहां से टूटेगी अजित पवार की एनसीपी? सीनियर लीडर ने दे दी बड़ी टेंशन

मुंबई (एजेंसी)। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले उपमुख्यमंत्री अजित पवार की राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी में संभावित टूट की अटकलें हैं। कहा जा रहा है कि जल्द ही अजित गुट के कई नेता चाचा शरद पवार की अगुवाई वाली पार्टी में शामिल हो सकते हैं। हालांकि, इसे लेकर आधिकारिक तौर पर अब तक कुछ नहीं कहा गया है। राज्य में इस साल के अंत तक विधानसभा चुनाव हो सकते हैं।

रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि अजित की अगुवाई वाली एनसीपी के पिंपरी चिंचवड़ इकाई के प्रमुख अजित गव्हाने सीनियर पवार के साथ जा सकते हैं। खास बात है कि गव्हाने ने भोसारी सीट से विधानसभा चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारतीय जनता पार्टी के नेताओं का कहना है कि पार्टी भोसारी सीट एनसीपी को नहीं देगी।

गव्हाने के साथ-साथ 15 से ज्यादा पूर्व पार्षद भी एनसीपी (एसपी) का हिस्सा बन सकते हैं। खबरें हैं कि गव्हाने और पूर्व पार्षदों का एक समूह शनिवार के शरद पवार के पुणे स्थित आवास पर मिलने पहुंचा था। जबकि, गव्हाने ऐसी किसी मुलाकात से इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि वह हाल ही में अजित से मिले थे और भोसारी सीट से चुनाव लड़ने की इच्छा जाहिर की है। जब पूछा गया कि अगर अजित की तरफ से उन्हें ग्रीन सिग्नल नहीं मिलता है, तो क्या वह पार्टी छोड़ देंगे। इसपर उन्होंने अंग्रेजी अखबार को बताया, %अब तक मेरे नेता ने रेड सिग्नल नहीं दिखाया है। ऐसे में अभी मैं इसपर कोई कमेंट नहीं करना चाहता हूं। लेकिन एक बात साफ है कि मैं भोसारी सीट से चुनाव लड़ने का फैसला कर चुका हूं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि चुनाव के लिए ज्यादा समय नहीं बचे होने के चलते गव्हाने जल्द ही एनसीपी छोड़ देंगे। हालांकि, एनसीपी गव्हाने और या किसी पूर्व पार्षद के पार्टी छोड़ने की बात से इनकार कर रही है। इस सीट पर बीते दो चुनावों से भाजपा के महेश लांडगे चुनाव जीत रहे हैं। खास बात है कि गव्हाने और लांडगे रिश्तेदार ही है, लेकिन गव्हाने ने लांडगे के भाई को भोसारी से ही 2017 में निकाय चुनाव में मात दी थी।

ईरान में राष्ट्रपति पद के लिए अब पेजेशकियन, जलीली के बीच निर्णायक मुकाबला

तेहरान (एजेंसी)। ईरान में 14वें राष्ट्रपति के लिए हुए पहले चरण के चुनाव में किसी उम्मीदवार को बहुमत नहीं मिला है। अब दो शीर्ष उम्मीदवारों मसूद पेजेशकियन और सईद जलीली के बीच सीधे मुकाबले के लिए 5 जुलाई को मतदान होगा।

ईरान के चुनाव मुख्यालय के प्रवक्ता मोहसिन इस्लाम ने शनिवार को तेहरान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में पहले दौर के परिणामों की घोषणा करते हुए कहा कि पेजेशकियन और जलीली को क्रमशः 10,415,991 (42.6 प्रतिशत) और 9,473,298 (38.8 प्रतिशत) वोट मिले।

मोहसिन इस्लाम ने बताया कि अन्य दो उम्मीदवारों, मोहम्मद बाकर कलीबाफ और मुस्तफा पुर मोहम्मदी को क्रमशः 3,383,340 (13.8 प्रतिशत) और 206,397 (0.8 प्रतिशत) वोट मिले। उन्होंने बताया कि लगभग 40 प्रतिशत (24,535,185) वोटरों ने मताधिकार का प्रयोग किया। राष्ट्रपति चुनाव के लिए मतदान शुक्रवार को स्थानीय समय के अनुसार सुबह 8 बजे शुरू हुआ था जो आधी रात तक जारी रहा। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातोल्लाह अली ख़ामेनेई ने मतदान केंद्र पहुंचकर पहला वोट डाला। इस दौरान उन्होंने ईरानी लोगों की एकता का आह्वान करते हुए भाषण भी दिया था।

राष्ट्रपति बनने के लिए किसी उम्मीदवार को पहले दौर में 50 प्रतिशत से अधिक मत प्राप्त होना जरूरी है। पहले चरण में किसी को स्पष्ट बहुमत न मिलने की स्थिति में शीर्ष दो उम्मीदवारों के बीच दूसरे चरण में मुकाबला होगा।

अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड एक्टिविटी : एलन मस्क

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। टेस्ला और स्पेस एक्स के सीईओ एलन मस्क ने कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन और उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के टीवी पर पहले प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधि दर्ज की गई। मस्क के स्वामित्व वाले एक्स ने बताया कि अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट पर मिनट-दर-मिनट चर्चा प्रसारण शुरू होने के बाद 90 मिनट में 19 गुना हो गई।

कंपनी ने कहा कि डिबेट के दौरान एक्स पर दुनिया भर में चर्चाओं का पैमाने चौंकाने वाला था। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ने बताया कि डिबेट के दौरान दो अरब से ज्यादा इम्प्रेशन दर्ज किये गये। इनमें 24.2 करोड़ वीडियो व्यूज और 20 लाख पोस्ट शामिल थे।

मस्क ने कहा कि अमेरिकी प्रेसिडेंशियल डिबेट के दौरान एक्स पर रिकॉर्ड गतिविधियां दर्ज की गईं। एक यूजर ने लिखा, डिबेट के दौरान एक्स पर बवाल मचा हुआ था। डिबेट के एक्स पर लाइव स्ट्रीम को भी काफी लोगों ने देखा। एक अन्य यूजर ने एक्स पर लिखा कि बिना किसी सेंसरशिप के डर के लोगों को इस मुद्दे पर खुलकर बात रखने की अनुमति देने के जबरदस्त परिणाम दिखे।

पटाखा गोदाम में विस्फोट, पांच की मौत, 20 घायल

मनीला (एजेंसी)।

फिलीपींस के जाम्बोआंगा शहर में एक पटाखा गोदाम में हुए शक्तिशाली विस्फोट में पांच लोगों की मौत हो गई और 20 अन्य घायल हो गए। विस्फोट में गोदाम के पास के घरों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को भी नुकसान पहुंचा है। विस्फोट स्थल पर पहुंचे जाम्बोआंगा के मेयर जॉन डेलिप ने संवाददाताओं को बताया कि घटना में पांच लोगों की मौत हो गई, और 20 लोग घायल हो गए। उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया। घायलों में से आठ की हालत गंभीर बताई जा रही है। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि विस्फोट में मारे गए लोगों में एक बच्चा भी शामिल है।

गाजा पट्टी में कहर बनकर टूटा इजरायल, हमलों में 40 फिलिस्तीनियों की मौत-224 घायल

गाजा (एजेंसी)। पिछले 24 घंटों में गाजा पट्टी में इजरायली हमलों में कम से कम 40 फिलिस्तीनी मारे गए और 224 अन्य घायल हो गए। गाजा में स्वास्थ्य अधिकारियों ने कहा कि कुल फिलिस्तीनी मौतों की संख्या अब 37,834 हो गई है। अक्टूबर 2023 से फिलिस्तीनी-इजरायल संघर्ष शुरू होने के बाद से 86,858 लोग घायल हुए हैं। अधिकारियों ने कहा कि इजरायली बलों और फिलिस्तीनी सशस्त्र गुटों के बीच झड़पों के कारण बचाव दलों को कई बाधाओं का सामना करना पड़ा, खास कर दक्षिणी गाजा के रफा शहर और पूर्वी गाजा के शुजाया में। इजरायली सैन्य प्रवक्ता अविचाय एड्रै ने एक बयान में कहा कि इजरायली सेना शुजाया क्षेत्र में आतंकवादी ठिकानों पर हमला जारी रखे हुए है। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ घंटों में सेना ने झड़पों में कई को मार गिराया और इजरायली सैनिकों को क्षेत्र में एक स्कूल परिसर के अंदर एक हथियार डिपो मिला है। एड्रै के अनुसार, रफा में इजरायली सेना ने कई आतंकवादियों को मार गिराया और सुरंग सहित कई आतंकवादी बुनियादी ढांचे को नष्ट कर दिया। इस बीच, फिलिस्तीनी शरणार्थियों के लिए संयुक्त राष्ट्र राहत और कार्य एजेंसी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर कहा कि हजारों लोग आश्रय, भोजन, दवा और स्वच्छ पानी की समस्या झेल रहे हैं, हालात और भी बदतर हो गए हैं।

हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश के आरोप में निखिल गुप्ता अमेरिकी अदालत में पेश

न्यूयॉर्क (एजेंसी)। अमेरिका में एक खालिस्तानी अलगाववादी की कथित हत्या के लिए सुपारी देने की साजिश में आरोपी भारतीय नागरिक निखिल गुप्ता को पहली बार ट्रायल जज के सामने पेश किया गया। फेडरल सीनियर जज विक्टर मारेरो ने सुनवाई के बाद अगली तारीख 13 सितंबर तय की है। कोर्ट ने कहा है कि अभियोजन पक्ष उस दिन सबूत लेकर आएं। खाकी शर्ट और पैंट पहने गुप्ता को अमेरिकी मार्शल कोर्ट के अंदर ले गए और वो डिफेन्स टेबल पर बैठ गया, जहां उसने कार्यवाही शुरू होने से पहले अपने वकील जेफरी चैब्रो के साथ बातचीत की।

पिछले साल जून में अमेरिका के अनुरोध पर निखिल गुप्ता को चेक गणराज्य में गिरफ्तार किया गया था और 14 जून को उसे अमेरिका लाया गया। 17 जून को उसे मजिस्ट्रेट जज जेम्स कॉट कि अदालत में पेश किया गया, जिन्होंने उसे हिरासत में रखने का आदेश दिया।

मामले में अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने ट्रायल जज को गुप्ता के खिलाफ सरकार के केस के बारे में बताया। उन्होंने आरोपों को दोहराया कि गुप्ता ने भारतीय मूल के एक अमेरिकी नागरिक के खिलाफ एक भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ मिलकर साजिश रची थी। हालांकि दोनों की पहचान उन्होंने नहीं बताई। इशारा गुरपतवंत सिंह पन्नू की ओर था जो अमेरिकी और कनाडाई नागरिकता वाला एक वकील है, और न्यूयॉर्क में रहता है और सिख फॉर जस्टिस समूह का नेतृत्व करता है। भारत सरकार ने पन्नू को आतंकवादी घोषित किया हुआ है।

फ्लेचर ने कहा कि गुप्ता ने एक हिटमैन से बात की, हत्या की साजिश के लिए 100,000 डॉलर की कीमत तय की और उसे 15,000 डॉलर की अग्रिम राशि भी दी। अभियोजक सहायक जिला अटॉर्नी केमिली लाटोया फ्लेचर ने कहा कि जिस व्यक्ति को वह हिटमैन समझता था, वह वास्तव में एक अंडरकवर एजेंट था। फ्लेचर ने कहा कि सरकारी साक्ष्य में गुप्ता से जब्त किया गया फोन शामिल है, जिसमें भारतीय सरकारी कर्मचारी के साथ उसकी बातचीत दर्ज है। उसने कहा कि जब्त किए गए इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस के साथ-साथ एफबीआई और ड्रग प्रवर्तन एजेंसी की सामग्री भी है।

नए आपराधिक कानून आज से लागू; जानें क्या-क्या बदल गया?

नई दिल्ली (एजेंसी)। तीन नए आपराधिक कानून सोमवार से देशभर में लागू हो जाएंगे। इससे भारत की आपराधिक न्याय प्रणाली में बड़े बदलाव आएंगे और औपनिवेशिक काल के कानूनों का अंत हो जाएगा। भारतीय न्याय संहिता, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम ब्रिटिश काल के क्रमश- भारतीय दंड संहिता, दंड प्रक्रिया संहिता और भारतीय साक्ष्य अधिनियम की जगह लेंगे। नए कानूनों से आधुनिक न्याय प्रणाली स्थापित होगी जिसमें जीरो स्नढ्ढक्र, पुलिस में ऑनलाइन शिकायत दर्ज कराना और स्स्र के जरिए समन भेजने जैसी सुविधा होगी। साथ ही, सभी जघन्य अपराधों के वारदात स्थल की अनिवार्य वीडियोग्राफी जैसे प्रावधान शामिल होंगे।

आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि इन कानूनों में कुछ मौजूदा सामाजिक वास्तविकताओं और अपराधों से निपटने का प्रयास किया गया है। संविधान में निहित आदर्शों को ध्यान में रखते हुए इनसे प्रभावी रूप से निपटने का तंत्र मुहैया कराया गया है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कहा कि नए कानून न्याय मुहैया कराने को प्राथमिकता देंगे, जबकि अंग्रेजों के समय के कानूनों में दंडनीय कार्रवाई को प्राथमिकता दी गई थी। उन्होंने कहा, 'इन कानूनों को भारतीयों ने, भारतीयों के लिए और भारतीय संसद द्वारा बनाया गया है। यह औपनिवेशिक काल के न्यायिक कानूनों का खात्मा करते हैं।' चलिए तीन नए आपराधिक कानूनों की खास बातें जानते हैं...

नए कानूनों के तहत आपराधिक मामलों में फैसला मुकदमा पूरा होने के 45 दिन के भीतर आएगा। पहली सुनवाई के 60 दिन के भीतर आरोप तय किए जाएंगे। दुष्कर्म पीड़िताओं का बयान कोई महिला पुलिस अधिकारी उसके अभिभावक या रिश्तेदार की मौजूदगी में दर्ज करेगी और मेडिकल रिपोर्ट 7 दिन के भीतर देनी होगी। नए कानूनों में संगठित अपराधों और आतंकवाद के कृत्यों को परिभाषित किया गया है। राजद्रोह की जगह देशद्रोह लाया गया है और सभी तलाशी व जब्ती की कार्रवाई की वीडियोग्राफी कराना अनिवार्य कर दिया गया है।

महिलाओं और बच्चों के खिलाफ अपराधों पर एक नया अध्याय जोड़ा गया है। किसी बच्चे को खरीदना और बेचना जघन्य अपराध बनाया गया है। किसी नाबालिग से सामूहिक दुष्कर्म के लिए मृत्युदंड या उम्रकैद का प्रावधान जोड़ा गया है। सूत्रों ने बताया कि 'ओवरलैप' धाराओं का आपस में विलय कर दिया गया और उन्हें सरलीकृत किया गया है। भारतीय दंड संहिता की 511 धाराओं के मुकाबले इसमें केवल 358 धाराएं होंगी। सूत्रों ने बताया कि शादी का झूठा वादा करने, नाबालिग से दुष्कर्म, भीड़ द्वारा पीटकर हत्या करने, झपटमारी आदि मामले दर्ज किए जाते हैं लेकिन मौजूदा भारतीय दंड संहिता में ऐसी घटनाओं से निपटने के लिए कोई विशेष प्रावधान नहीं थे। भारतीय न्याय संहिता में इनसे निपटने के लिए प्रावधान किए गए हैं। नए कानूनों के तहत अब कोई भी व्यक्ति पुलिस थाना गए बिना इलेक्ट्रॉनिक संचार माध्यम से घटनाओं की रिपोर्ट दर्ज करा सकता है। इससे मामला दर्ज कराना आसान और तेज हो जाएगा। पुलिस की ओर से त्वरित कार्रवाई की जा सकेगी। 'जीरो एफआईआर' से अब कोई भी व्यक्ति किसी भी पुलिस थाने में प्राथमिकी दर्ज करा सकता है, भले ही अपराध उसके अधिकार क्षेत्र में नहीं हुआ हो। इससे कानूनी कार्यवाही शुरू करने में होने वाली देरी खत्म होगी और मामला तुरंत दर्ज किया जा सकेगा। नए कानून में जुड़ा एक दिलचस्प पहलू यह भी है कि गिरफ्तारी की सूरत में व्यक्ति को अपनी पसंद के किसी व्यक्ति को अपनी स्थिति के बारे में सूचित करने का अधिकार दिया गया है। इससे गिरफ्तार व्यक्ति को तुरंत सहयोग मिल सकेगा।

इसके अलावा, गिरफ्तारी विवरण पुलिस थानों और जिला मुख्यालयों में प्रमुखता से प्रदर्शित किया जाएगा। इससे गिरफ्तार व्यक्ति के परिवार और मित्र महत्वपूर्ण सूचना आसानी से पा सकेंगे। नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के खिलाफ अपराधों की जांच को प्राथमिकता दी गई है। इससे मामले दर्ज किए जाने के 2 महीने के भीतर जांच पूरी की जाएगी। नए कानूनों के तहत पीड़ितों को 90 दिन के भीतर अपने मामले की प्रगति पर नियमित रूप से जानकारी पाने का अधिकार होगा।

नए कानूनों में महिलाओं व बच्चों के साथ होने वाले अपराध पीड़ितों को सभी अस्पतालों में निशुल्क प्राथमिक उपचार या इलाज मुहैया कराया जाएगा। यह प्रावधान सुनिश्चित करता है कि पीड़ित को आवश्यक चिकित्सकीय देखभाल तुरंत मिले। आरोपी और पीड़ित दोनों को अब प्राथमिकी, पुलिस रिपोर्ट, आरोपपत्र, बयान, स्वीकारोक्ति व अन्य दस्तावेज 14 दिन के भीतर पाने का अधिकार होगा।

बिहार में मॉनसून हाई एक्टिव; 8 जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, पटना समेत कई शहरों में जमकर बरसे बादल

पटना (संवाददाता)। बिहार में मानसून सक्रिय हो गया है। सोमवार और मंगलवार को प्रदेश के ज्यादातर शहरों में बारिश के आसार हैं। इस दौरान गरज व चमक के साथ तेज रफ्तार से हवा चल सकती है। मौसम विभाग ने सोमवार को पश्चिमी चंपारण, पूर्वी चंपारण, किशनगंज, सीतामढ़ी, शिवहर, मधुबनी, सुपौल, अररिया में भारी बारिश का अलर्ट जारी किया है। वहीं राज्य के अन्य हिस्सों में हल्की से मध्यम स्तर की बारिश होने के आसार हैं। वहीं रविवार को सुपौल को छोड़कर पटना सहित सभी 37 जिलों में हल्के से मध्यम स्तर की बारिश हुई। राज्य में जून में सामान्य से 52 प्रतिशत कम बारिश हुई। प्रदेश में 133.3 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए, लेकिन 78.9 मिलीमीटर ही बारिश हुई। सिर्फ अररिया और किशनगंज जिले में ही सामान्य से अधिक बारिश हुई है।

मौसम विभाग अनुसार रविवार को अरवल में 65.8, लखीसराय में 65.4, गया में 59.9, नवादा में 58.8, औरंगाबाद में 52.9, किशनगंज में 49.2, शिवहर में 43.8, पश्चिम चंपारण में 34.5, सीतामढ़ी में 23.2, कैमूर में 22.4, पटना में 20.5 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा अन्य जिलों में 20 मिलीमीटर से कम बारिश हुई। जबकि लखीसराय के चानन में 244, अरवल के कलेर में 162, गया के टिकारी में 141, जहानाबाद में 124, जमुई के लक्ष्मीपुर में 121, जमुई में 120, गया के बेलागंज में 113 और नवादा प्रखंड में 107 मिलीमीटर बारिश हुई। रविवार को पटना सहित प्रदेश के 29 शहरों के अधिकतम तापमान में गिरावट आई। वहीं 6 शहरों के अधिकतम तापमान में बढ़ोतरी हुई। प्रदेश का सबसे गर्म शहर 39 डिग्री सेल्सियस के साथ डेहरी और रोहतास रहा। अधिकतम तापमान में गिरावट आने से लोगों को भीषण गर्मी से आंशिक तौर पर राहत मिली। लेकिन वातावरण में नमी रहने से लोगों को उमस भरी गर्मी का एहसास हुआ।

राजधानी सहित पटना जिले में रविवार की सुबह झमाझम बारिश हुई। इस दौरान राजधानी में 7.8 और सबसे अधिक दानापुर में 89.6 मिलीमीटर बारिश हुई। वहीं दोपहर बाद धूप खिल गई। पटना के अधिकतम तापमान में 4 डिग्री सेल्सियस की गिरावट आई। राजधानी का अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। यह सामान्य से 0.8 डिग्री सेल्सियस कम रहा। मौसम विभाग के अनुसार मनेर में 48.6, बांकीपुर में 37.2, बिहटा में 26.6, नौबतपुर में 25.5, संपतचक में 24.8, पालीगंज में 22.8, दुल्हिन बाजार में 20.8, फुलवारी व मसौढ़ी में 20 मिलीमीटर बारिश हुई। इसके अलावा जिलों के अन्य प्रखंडों में 20 मिलीमीटर से कम बारिश हुई। पटना में जून माह के दौरान सामान्य से 76 प्रतिशत कम बारिश हुई। इस दौरान जितनी बारिश 29 दिनों में हुई, उससे दुगनी बारिश एक दिन में 30 जून को हुई। मौसम विभाग के अनुसार 29 जून तक पटना में 10.2 मिमी बारिश हुई। लेकिन 30 जून को यह आंकड़ा 30.6 मिमी तक पहुंच गया। जून में 130.2 मिलीमीटर बारिश होनी चाहिए। लेकिन 30.6 मिलीमीटर ही बारिश हुई।

मियां-बीवी की लड़ाई खूनी जंग में बदली, पति ने पत्थर से कूचकर पत्नी को मार डाला

बांका (संवाददाता)। बिहार के बांका जिले के आनंदपुर ओपी क्षेत्र में पति-पत्नी के बीच हुए विवाद ने इतना विकराल रूप ले लिया कि पति ने पत्नी को मौत के घाट उतार दिया। यह फतेहपुर (मयकुड़ा) गांव में शुक्रवार की रात हुई। गोलकी देवी की हत्या के बाद उसके तीन बच्चों के सिर से मां का साया उठ गया है। इधर बच्चों का पिता भी पत्नी की हत्या के बाद से फरार है।

आरोपी पति सरजू खैरा ने अपनी पत्नी गोलकी देवी (उम्र 30) को घर के पास स्थित जोरिया के समीप ले जाकर पत्थर से कूचकर उसकी हत्या कर दी। हत्या के बाद आरोपी रात में ही मौके से फरार हो गया। आरोपी सरजू खैरा बांका थाना क्षेत्र के भगायचक निवासी लालधारी खैरा का पुत्र बताया गया है। शनिवार की सुबह सूचना मिलने पर पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया। सरजू खैरा पिछले पांच दिनों से अपनी ससुराल में रह रहा था। जहां पति-पत्नी के बीच नोकझोंक चल रही थी। शनिवार की देर रात सरजू खैरा अपनी पत्नी को लेकर घर से निकल गया और गांव के पास ही जोरिया में ले जाकर उसने पत्नी की हत्या कर दी। मृतका के भाई द्धारिका पुझार ने बताया कि शनिवार की सुबह जब उसे बहन-बहनोई घर में नहीं दिखे तो उसने आसपास खोजबीन शुरू की।

इसी दौरान उसको खबर मिली कि उसकी बहन की हत्या कर शव जोरिया में फेंक दिया गया है। मौके पर पहुंचकर देखा तो वाकई में उसकी लाश पड़ी थी। तब जाकर पूरी घटना की जानकारी द्वारिका पुझार ने आनंदपुर पुलिस को दी। सूचना मिलते ही बेलहर एसडीपीओ राजकिशोर कुमार और आनंदपुर ओपी अध्यक्ष विपिन कुमार दल-बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और स्थल की घेराबंदी कर एफएसएल टीम को सूचित किया।

फॉरेन्सिक टीम ने घटनास्थल पर पहुंचकर साक्ष्य एकत्रित किए। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए बांका भेज दिया है। फतेहपुर गांव निवासी मृतका की मां मसोमात पुतली देवी के बयान पर उसके दामाद सरजू खैरा पर हत्या की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है।

घरवालों ने शादी से किया इंकार, प्रेमिका को भेजा नानी के घर तो प्रेमी ने लगाई फांसी, परिजन बोले हत्या हुई

सुपौल (संवाददाता)। सुपौल जिले के राघोपुर थाना में एक बांस बाड़ी में 20 साल के युवक का शव फंदे से लटकता मिला तो आस-पास के इलाके में सनसनी फैल गई । आंशका लगाई जा रही है कि युवक ने प्रेम प्रसंग में आकर फंदे से लटककर खुदकुशी कर ली है। हालांकि इस मामले में लड़के के घरवालों ने लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है।

राघोपुर थाना की धरहरा पंचायत के वार्ड नंबर 10 निवासी संजय सादा के 20 साल के पुत्र चंदन कुमार का पंचायत की एक लड़की से प्रेम प्रसंग चल रहा था। प्रेमी युगल ने अपने घरों में शादी के लिए बात रखी थी और वो घरवालों को मनाने में लगे हुए थे, लेकिन कुंदन की मां गुलो देवी और प्रेमिका का पूरा परिवार इसके लिए राजी नहीं हुआ। लड़की के घरवालों ने उसे ननिहाल भेज दिया। इससे कुंदन का युवती से संपर्क टूट गया। उसने काफी कोशिश की लेकिन अपनी प्रेमिका से संपर्क नहीं कर सका। रविवार की तड़के सवेरे कुंदन घर से निकल गया था। करीब सात बजे पंचायत निवासी सदानंद यादव के तालाब के पास एक बाड़ी में फंदे से लटका हुआ उसका शव बरामद हुआ। खेत में काम करने जा रहे लोगों ने जब उसका शव लटका देखा तो पूरे गांव में हड़कंप मच गया।

घरवालों तक सूचना पहुंची तो पूरे परिवार में मातम का माहौल पसर गया। पिरजनों का रो रो कर बुरा हाल है। मृतक की मां गुलो देवी ने बताया कि अभी प्रेमिका और उसकी उम्र कम थी। इसलिए उन्होंनें अभी शादी करने से इंकार कर दिया था। साथ ही लड़की के घरवाले भी शादी करने के लिए तैयार नहीं थे। उन्होंने लड़की के परिजनों पर हत्या का आरोप लगाया है। साथ ही उन्होंने बताया कि हत्या से पहले कुंदन के मोबाइल पर फोन किया था तो किसी अनजान शख्स ने फोन उठाया था। फिलहाल मामला पुलिस के दरवाजे पहुंच गया है। इसमें पुलिस सभी एंगल से जांच-पड़ताल कर रही है। राघोपुर थानाध्यक्ष नवीन कुमार ने बताया कि प्रथम दृष्टया देखने पर यह मामला आत्महत्या का ही प्रतीत हो रहा है। बाकी हम लोग छानबीन कर रहे हैं। साथ ही मृतक के परिजनों की तरफ से अब तक हत्या के सिलसिले में कोई लिखित शिकायत भी नहीं मिली है। पुलिस ने शव को पोस्टर्माटम के लिए भेज दिया है। बाकी आगे की कार्रवाई में जुटी हुई है।

5 किलो सोना पहनते हैं, सोने की बुलेट से घूमते हैं; मिलिए बिहार के गोल्ड मैन प्रेम सिंह से

पटना (संवाददाता)। शरीर पर 5 करोड़ के सोने के आभूषण, और सोने की बुलेट से घूमने वाले प्रेम सिंह बिहार के गोल्डमैन के तौर पर जाने जाते हैं। वो बेफिक्र होकर पटना की सड़कों पर फर्राटा भरते दिखते हैं। उनका सपना है कि उनकी हर चीज सोने की हो। वो देश के पहले गोल्डमैन बनना चाहते हैं। एएनआई से बातचीत में प्रेम सिंह ने कहा कि पूरे देश और बिहार के लोग मुझे गोल्डमैन बोलते हैं। 5 किलो 400 ग्राम गोल्ड पहनकर चलता हूं।

वहीं इतना गोल्ड पहनकर डर नहीं लगने के सवाल पर प्रेम सिंह ने कहा कि प्रत्यक्ष को प्रमाण की जरूरत नहीं होती। माननीय नीतीश कुमार की सरकार है, सुशासन का राज है। इसलिए डर नहीं लगता है। 14 करोड़ माताएं बहनें, बंधु प्यार देते हैं। इसलिए डर नहीं लगता है। डीजीपी और एसएसपी का ध्यान रहता है। जब इतना प्यार मिले तो डरने की क्या बात है। बदलते बिहार हैं हम, सुशासन के अखबार हैं हम। विकास के प्रचार हैं हम। जो माननीय नीतीश कुमार बिहार के लिए किए हैं, उसका शुक्रगुजार हैं हम। बातचीत के दौरान प्रेम सिंह ने कहा कि उन्हें देश का गोल्डमैन बनना है। ईमानदारी की कमाई होती रहेगी। हर चीज मेरी गोल्ड की होगी। यही हनुमान जी से प्रार्थना है। उन्होने बताया कि जिस बुलेट से वो चलते हैं, उसमें 150 से 200 ग्राम सोना लगा है। जिसकी कीमत करीब 12 से 14 लाख है। और बैंगलुरू से बनकर आई है।

आपको बता दें। प्रेम सिंह मूल रूप से आरा जिले के निवासी हैं। और जब वो सड़क पर निकलते हैं तो उनके साथ सेल्फी लेने वालों की भीड़ लग जाती है। प्रेम सिंह का कहना है जैसे-जैसे कमाई बढ़ेगी। वैसे वैसे शरीर पर सोना का वजन बढ़ता जाएगा। प्रेम सिंह गले में सोने की मोटी-मोटी कई चेन पहनते हैं। हाथ में ब्रेसलेट से लेकर अंगुलियों में दस अंगूठी रहती है। मोबाइल कवर से लेकर बुलेट भी उनकी सोने की है। बिहार और देशभर में प्रेम सिंह गोल्डमैन के नाम से मशहूर हैं।

मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के लिए आवेदन आज से; बिहार सरकार देगी 10 लाख

पटना (संवाददाता)। बिहार की नीतीश सरकार राज्य के युवाओं को उद्योग लगाने के लिए 10 लाख रुपये दे रही है। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना 2024-25 के आवेदन सोमवार यानी (एक जुलाई) से शुरू होंगे। उद्योग विभाग की वेबसाइट https://udyami.bihar.gov.in पर ऑनलाइन आवेदन होंगे। इसके लिए पोर्टल सोमवार सुबह 11 बजे खुलेगा। आवेदन की अंतिम तिथि 31 जुलाई है।

उद्योग विभाग के अपर मुख्य सचिव संदीप पौंडरिक ने कहा है कि 31 जुलाई के बाद तिथि नहीं बढ़ाई जाएगी। उन्होंने आवेदकों को सलाह दी है कि आवेदन ध्यान से भरें और सभी आवश्यक दस्तावेजों की पठनीय प्रति अपलोड करें। ऐसा नहीं होने पर आवेदन अस्वीकृत किए जा सकते हैं। इस बार भी कुल पांच वर्गों में लाभुकों का चयन होगा। मुख्यमंत्री अनुसूचित जाति-जनजाति उद्यमी योजना, अतिपिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना, महिला उद्यमी योजना, युवा उद्यमी योजना और अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। इस बार करीब 9200 लाभुकों का चयन होगा। इसमें अल्पसंख्यक योजना के तहत 1200 लोगों का चयन होगा। अन्य चार वर्ग में 8000 लोगों का चयन होगा। मुख्यमंत्री उद्यमी योजना के तहत अनुसूचित जाति, जनजाति उद्यमी योजना, अतिपिछड़ा वर्ग उद्यमी योजना, महिला उद्यमी योजना, युवा उद्यमी योजना और अल्पसंख्यक उद्यमी योजना के तहत लाभुकों का चयन होता है।

जमीन के लिए बड़े भाई ने छोटे को पीट-पीटकर मार दिया

अररिया (संवाददाता)।

बिहार के अररिया में शनिवार की सुबह जमीनी विवाद के चलते बड़े भाई ने छोटे भाई की हत्या कर दी। बड़ा भाई, छोटे भाई को सड़क से खींचकर अपने घर ले गया, फिर उसे बंधक बनाकर परिवार के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर लाठी-डंडों से जमकर पीटा। इसी दौरान उसकी मौत हो गई। हत्या के बाद से पूरा परिवार फरार है।

यह घटना फारबिसगंज प्रखंड के पछियारी झिरूवा पंचायत के वार्ड संख्या तीन स्थित रामपुर मेहता टोला की है। मृतक युवक सीता राम मेहता रामपुर मेहता टोला के स्व.मोती लाल मेहता का बेटा था। प्राथमिकी दर्ज कर पुलिस मामले की छानबीन में जुटी है। हत्यारोपियों में राजाराम मेहता, पत्नी पार्वती देवी, पुत्र ब्रजेश कुमार मेहता, विपिन मेहता, पुत्रवधु साधना देवी आदि शामिल हैं।

मृतक की पत्नी ने बताया कि जब सीताराम मेहता अपनी जमीन पर मिट्टी भराई व घर बनाने का कार्य कर रहा था, इसी बीच बड़ा भाई राजाराम मेहता अपनी पत्नी पार्वती देवी, पुत्र ब्रजेश मेहता, विपिन मेहता, साधना देवी आदि मिलकर उसे सड़क से खींचकर अपने घर ले गये और उसे कमरे में बंधक बनाकर जमकर लाठी-डंडे से पीटा जिससे उनकी मौत हो गई। मृतक अपने पीछे पत्नी सहित एक पुत्र और दो पुत्री छोड़ गया है।

समस्तीपुर में डबल मर्डर से सनसनी, लूट के बाद बदमाशों ने महिला और CSP कर्मी को मारी गोली

समस्तीपुर (संवाददाता)। समस्तीपुर के विभूतिपुर थाना क्षेत्र के महम्मदपुर सकड़ा स्थित त्रिमूर्ति डेयरी परिसर में चल रहे सीएसपी से लूट के बाद भागने के दौरान बदमाशों ने अंधाधुंध फायरिंग कर दो लोगों की हत्या कर दी। मृतकों की पहचान उजियारपुर थाना क्षेत्र के रामचंद्रपुर अंधैल निवासी योगी राय के पुत्र और सीएसपी संचालक के ममेरा भाई अजय यादव (30) तथा विभूतिपुर थाना क्षेत्र के जगन्नाथपुर निवासी मंजय सहनी की पत्नी सुशीला देवी (25) के रूप में की गई है।

रविवार दोपहर बाद करीब तीन बजे हुई वारदात की जानकारी मिलते ही ग्रामीणों में सनसनी फैल गयी। सीएसपी के पास लोगों की भारी भीड़ उमड़ गयी। सूचना पर पहुंची पुलिस मामले की जांच में जुट गयी है। त्रिमूर्ति डेयरी के संचालक अकलू यादव के पुत्र रजनीश कुमार ने बताया कि उसके पिता महम्मदपुर सकड़ा पंचायत में डेयरी का संचालन करते हैं। डेयरी कैंपस में ही वह सीएसपी का संचालन करता है। रविवार दोपहर बारिश के दौरान बाइक सवार तीन बदमाश सीएसपी के पास आये। एक बदमाश बाइक के पास खड़ा रहा, जबकि दो सीएसपी में आकर उसे व उसके साथ काम कर रहे अजय यादव को पिस्तौल के बल पर कब्जे में ले लिया। इसके बाद उसके गले से सोने की चेन और काउंटर से लगभग 40 हजार रुपये निकाल लिए। लूटपाट के बाद बदमाश भागने लगे। इसी दौरान सीएसपी से पैसा निकालने आयी सुशीला देवी और अन्य लोगों ने शोर मचाना शुरू कर दिया। इसके बाद तीनों बदमाशों ने लौटकर अंधाधुंध फायरिंग कर दी। बदमाशों की गोली से डेयरी संचालक अकलू यादव व रजनीश कुमार बाल-बाल बच गए, लेकिन अजय यादव और सुशीला देवी के सीने में गोली लग गई। लोगों ने दोनों को अनुमंडलीय अस्पताल दलसिंहसराय पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। डीएसपी सोनल कुमारी ने बताया कि एसएफएल टीम को सूचना दी गई है। वह जल्द ही घटनास्थल पर पहुंचकर जांच के लिए साक्ष्य जुटाएगी। विभूतिपुर थानाध्यक्ष आनंद कुमार कश्यप ने बताया कि घटनास्थल से दो गोली और दो खोखे मिले हैं। बदमाशों का पता लगाने में पुलिस जुट गयी है। दलसिंहसराय थानाध्यक्ष राकेश कुमार रंजन ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

सीएम हाउस से संगठित अपराध का संचालन होता था; लालू और राबड़ी पर सम्राट चौधरी का बड़ा हमला

पटना (संवाददाता)। बिहार के डिप्टी सीएम और बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने आरजेडी पर हमला बोला है। और उनके निशाने पर रहे राजद सुप्रीमो लालू यादव और पूर्व मुख्यमंत्री राबड़ी देवी। सम्राट चौधरी ने कहा कि बिहार में एक दौर ऐसा भी था, जब सीएम हाउस से संगठित अपराध का संचालन होता था। लेकिन आज मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व में कानून का राज है। और ऐसा एनडीए की सरकार में ही हो पाया।

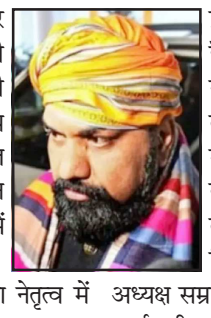

सम्राट चौधरी ने कहा सीएम नीतीश नेतृत्व में भाजपा-जदयू की यानी एनडीए की जो सरकार चल रही है, उसमें कानून का राज और सुशासन है। किसी भी अपराधी को बख्शा नहीं जाता है, बल्कि कानून के तहत सभी पर कार्रवाई हो रही है। लेकिन एक दौर ऐसा भी था जब बिहार में सीएम हाउस से संगठित अपराध का संचालन होता था। उप मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने कहा कि आपातकाल के आंदोलनकारी लालू प्रसाद आज कांग्रेस की गोद में खेल रहे हैं। उम्र ज्यादा होने की वजह से बहुत सी बातें अब उन्हें याद नहीं है। यही लालू प्रसाद हैं जिन्होंने आपातकाल में मीसा के तहत बंदी होने के कारण अपनी बेटी का नाम मीसा रखा। कांग्रेस ने लोकतंत्र और संविधान के साथ खिलवाड़ किया था। बिहार बीजेपी के अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने संजय झा को जेडीयू का कार्यकारी अध्यक्ष बनाए जाने की बधाई दी। और कहा कि इससे एनडीए का तालमेल और भी अच्छा होगा। ये बातें रविवार को भाजपा कार्यालय में पत्रकारों से बातचीत के दौरान कहीं।

बिहार में जारी है पुलों का धंसना; अब किशनगंज में 14 साल पुराने ब्रिज का पिलर धंसा, आवागमन बाधित

किशनगंज (संवाददाता)। बिहार में पुलों के धंसने और ढहने का सिलसिला खत्म होता नहीं दिख रहा। पिछले 11 दिनों में 6 पुल छह चुके हैं। अब तीन दिनों से जारी तेज मूसलाधार बारिश के कारण किशनगंज के ठाकुरगंज प्रखंड के कुकुरबाघी पंचायत स्थित खौसीडांगी गांव में बूंद नदी पर बना पुरानी पुल के दो स्पेन रविवार को धंस गए। नदी के तेज बहाव के कारण अब इस पुल पर भी खतरा मंडराने लगा है। ठाकुरगंज की सीओ सुचिता कुमारी ने बताया कि ग्रामीणों से पुल का पाया धंसने की जानकारी मिली है।

आरडब्लूडी के सहायक अभियंता आलोक भूषण ने बताया कि भारी वाहनों का आवगमन फिलहाल रोक दिया गया है। वहीं इस पुल पर सोमवार की सुबह बैरिकेटिंग लगाकर भारी वाहनों का आवागमन प्रतिबंधित कर दिया जाएगा। यह पुल वर्ष 2009-10 में विशेष प्रमंडल के द्वारा बनाया गया था। उन्होंने कहा कि भारी वाहनों के आवागमन से इस पुल को क्षति हुई है। जिसकी जानकारी संबंधित वरीय पदाधिकारी को दी गई है। उन्होंने बताया कि पुल पर फिलहाल भारी वाहनों का परिचालन रोक दिया गया है। आपको बता दें पुल पर खतरा मंडराया तो कुकुरबाघी पंचायत का खौसी डांगी, मायनागुड़ी, लाठ गच्छ, बौरी गच्छ,माता बाजार आदि गांव का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट जाएगा। जिससे लगभग दस हजार ग्रामीण पूरी तरह बंगाल पर निर्भर हो जाएंगे। इस संबंध में स्थानीय लोग बताते हैं कि अत्यधिक बारिश होने के कारण बूंद नदी पर बना इस पुराने पुल का दो स्पेन धंस गया है। अगर तत्काल इसकी कोई व्यवस्था नहीं की गई तो लगभग आधे दर्जन गांवों के हजारों ग्रामीणों का प्रखंड मुख्यालय से संपर्क कट जाएगा।

बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग प्रेशर पॉलिटिक्स नहीं; JDU के साथ हमारी भी डिमांड, बोले चिराग पासवान

पटना (संवाददाता)।

बिहार को विशेष राज्य देने की मांग एक फिर से जोर पकड़ने लगी है। पहले जेडीयू और अब एनडीए की सहयोगी और चिराग पासवान की पार्टी लोजपा (आर) ने भी जदयू के सुर में सुर मिलाए हैं। लोजपा (आर) के अध्यक्ष चिराग पासवना ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग प्रेशर पॉलिटिक्स नहीं है। ये डिमांड तो बिहार का हर सियासी दल की रही है।

चिराग पासवान ने कहा कि बिहार को विशेष राज्य के दर्जे की मांग हम लोगों की हमेशा से रही है। बिहार में कौन सा ऐसा दल है जो विशेष राज्य के दर्जे की बात नहीं करता है। और सहमति न देता हो, हम खुद इसके पक्षधर हैं। अगर हम लोग ये बोलें कि बिहार को विशेष राज्य का दर्जा दिया जाए, तो ये प्रेशन पॉलिटिक्स नहीं है। हम लोग जिस सरकार के गठबंधन में हैं। जिस एनडीए का हिस्सा हैं। चिराग ने कहा कि एनडीए का सबसे बड़ा घटक दल भाजपा जनता पार्टी है। जिसके नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन पर हम सबको विश्वास है, ये मांग हम उनसे नहीं तो किससे करेंगे। हम लोग ये भी मानते हैं कि नीति आयोग के अधीन ये विषय आता है।

इससे पहले जब योजना आयोग था तो उसमें कुछ ऐसे प्रावधान थे, जिनसे कुछ स्टेट को विशेष राज्य का दर्जा मिलता था। नए प्रावधानों के अनुसार इसमें जरूर कुछ टेक्निकल इश्यू हैं। उसका भी हम सब मिलकर समाधान ढूंढेंगे। जो जेडीयू ने कहा ये मांग हम लोगों की भी है, कि बिहार को स्पेशल राज्य का दर्जा मिलना चाहिए।

आपको बता दें 29 जून को दिल्ली में जेडीयू की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक में बिहार को विशेष राज्य का दर्जा या स्पेशल पैकेज देने की मांग की गई। और प्रस्ताव भी पारित किया गया। जिसके बाद अब जेडीयू की तरह एनडीए की सहयोगी लोजपा (आर) ने भी बिहार को स्पेशल स्टेट का दर्जा देने की मांग कर दी है। हालांकि इससे पहले लालू यादव की आरजेडी भी लगातार बिहार को विशेष राज्य का दर्जा देने की बात करती आई है।

विष्णु का सुशासन : जनदर्शन से आम जनता में हो रहा नई आशा का संचार

रायपुर। अपने पहले ही जनदर्शन में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने अपने संवेदनशील पहल और त्वरित निर्णयों से लोगों के मन में एक नई आशा का संचार कर दिया है। प्रदेश के सभी कोने से लोग मुख्यमंत्री के जनदर्शन में जुटे। जनदर्शन का समय एक बजे तक रखा गया था लेकिन पहले ही जनदर्शन को लेकर लोगों में इतनी उत्सुकता थी कि इस समय तक काफी लोग जुट गये थे। इसमें से कुछ के मन में आशंका थी कि मुख्यमंत्री के शेड्यूल के काफी टाइट होने की वजह से समय न समाप्त हो जाए और मुख्यमंत्री जी न मिल पाएं। यह आशंका निर्मूल साबित हुई।

विष्णु के सुशासन का अहसास सभी आवेदकों को उस समय हुआ जब मुख्यमंत्री श्री साय ने पूरे धैर्य के साथ लोगों की समस्याओं को सुनकर मौके पर ही इनका निराकरण करने के निर्देश दिये। जब तक आखरी आवेदक कतार में था, मुख्यमंत्री भी अपनी कुर्सी से हिले नहीं, पूरे समय तक तन्मयता से लोगों को सुनते रहे। जनदर्शन में बड़ी संख्या में भीड़ महिलाओं की थी।

महतारी वंदन योजना की संवेदनशील पहल को साकार कर मुख्यमंत्री ने माताओं-बहनों के जीवन में जो उजाला फैलाया, उससे इनके सपनों में पंख लग गये हैं। एक युवा लड़की आयुषी आई और उसने प्रदेश के मुखिया से कहा कि मुझे यूपीएससी की तैयारी करनी है। मेरे पिता कोविड में नहीं रहे, उनका सपना था कि मैं यूपीएससी करूं और मेरा भी यही सपना है। मुख्यमंत्री ने आयुषी बिटिया को भरोसा दिलाया। जब प्रदेश के मुखिया का आशीर्वाद किसी बिटिया को मिले तो निश्चित ही उसके सपनों को पर लग जाते हैं। मुख्यमंत्री न केवल इनके सपनों को पूरा करने मदद कर रहे हैं अपितु उनका हौसला भी बढ़ा रहे हैं। जनदर्शन की खास बात यह है कि मुख्यमंत्री न केवल लोगों के आवेदन पर कार्रवाई सुनिश्चित कर रहे हैं अपितु पूरी संवेदनशीलता से उनकी तकलीफ भी सुन रहे हैं। मुख्यमंत्री की ख्याति प्रदेश में इस बात को लेकर भी है कि केंद्र में राज्य मंत्री रहने के दौरान और अपने लंबे संसदीय जीवन में उन्होंने छत्तीसगढ़ के कई मरीजों का एम्स में इलाज करवाया। इस ख्याति को देखते हुए लोग अपनी स्वास्थ्य संबंधी दिक्कतें लेकर भी पहुंचे और मुख्यमंत्री ने इसका समाधान किया। एक दिव्यांग बालक के इलाज के लिए उन्होंने जनदर्शन में ही निर्देश दिए और बच्चे को तत्काल अस्पताल ले जाकर एडमिट कर दिया गया। पूरे जनदर्शन के दौरान सबसे दिल छूने वाला पल वो रहा जब मुख्यमंत्री सीधे दिव्यांगजनों के पास पहुंचे। दिव्यांगजनों को किसी तरह की तकलीफ न हो, इस बात का जनदर्शन में खास ध्यान रखा गया था। जिन दिव्यांगजनों के दिव्यांगता प्रमाणपत्र बनाने में दिक्कत आ रही थी, उनके दिव्यांग प्रमाणपत्र उसी दिन बनाकर दे दिये गये।

जनदर्शन के तुरंत पश्चात आये सभी आवेदनों के प्रभावी निराकरण के लिए अधिकारियों को निर्देशित कर दिया गया। इसकी मानिटरिंग भी आरंभ कर दी गई है। सुशासन और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की सबसे अहम कड़ी जनता से प्रत्यक्ष संवाद है। जनदर्शन के माध्यम से छत्तीसगढ़ में सुशासन को और भी प्रभावी बनाने में ठोस मदद मिलेगी।

जनदर्शन कार्यक्रम : समस्याओं के त्वरित निराकरण से लोग हुए प्रसन्न

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के सुशासन की एक झलक जनदर्शन कार्यक्रम में देखने को मिली। इस महीने की 27 तारीख को हुए पहले जनदर्शन कार्यक्रम में उन्होंने गर्मी और उमस की परवाह किए बिना लगभग 5 घंटे तक लोगों की समस्याएं सुनी।

मुख्यमंत्री निवास कार्यालय में आयोजित हुए जनदर्शन कार्यक्रम में आने वाले लोगों को यह पहली बार एहसास हुआ कि मुख्यमंत्री कितने सहज और सरल है। लोगों ने यह भी देखा कि वे पूरी गंभीरता और आत्मीय भाव से लोगों से मिल रहे है और लोगों की समस्याओं की निराकरण के लिए पहल कर रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम में किसी को ब्रेन सर्जरी और किसी को कैंसर की ईलाज तो किसी को प्रमाण पत्र और ट्रायसाइकिल देने के निर्देश दिए। जनदर्शन में एक महिला ने बताया कि उनके पति श्री रमेश शुक्ला कैंसर की बीमारी से पीड़ित हैं। बीमारी की वजह से उन्हें एडवांस ट्रीटमेंट की जरूरत है। मुख्यमंत्री ने महिला को संबल देते हुए कहा कि हमारी सरकार के लिए स्वास्थ्य सबसे सर्वोपरि है। आपके पति को सभी संभव सहायता प्रदान की जाएगी। इसके लिए मुख्यमंत्री ने मौके पर ही स्वास्थ्य विभाग को निर्देशित किया। मुख्यमंत्री के निर्देश पर श्रीमती शुक्ला ने आभार जताते हुए कहा कि हम लोग जनदर्शन में बहुत उम्मीद लेकर आए थे। आप से मिलकरए मुझे अपने पति के जल्द इलाज और गुणवत्तापूर्ण इलाज का भरोसा मिला है आज मेरे लिए बहुत बड़ा दिन है।

जनदर्शन कार्यक्रम में धमतरी निवासी अमित सोनी के ब्रेन सर्जरी के लिए मुख्यमंत्री ने डेढ़ लाख रूपए की मंजूरी देने के साथ ही वर्षा चांदवानी के इलाज के लिए 50 हजार रूपए की आर्थिक सहायता स्वीकृत की।

इसी प्रकार दिव्यांग बेमेतरा जिले के बलराम और रोहित कुमार की मुख्यमंत्री ने रोजगार व्यवसाय करने की ललक की सराहना करते हुए उन्हें आईस बॉक्स युक्त ट्रायसाइकिल प्रदान करने के साथ ही उन्हें शुभकामनाएं दी। रायपुर की महाविद्यालय की छात्रा आयुषी द्विवेदी ने मुख्यमंत्री को बताया कि मैं आईएएस अधिकारी बनकर देश की सेवा करना चाहती हूं। सपने में आर्थिक स्थिति बाधा है। मेरे पिता चाहते थे कि मैं सिविल सर्वेंट बनूं और इसके लिए उन्होंने मुझे खूब प्रेरित किया। दुर्भाग्य से कोरोना आया और उनका निधन हो गया। अब मेरा दो सपना है। एक तो मेरे पिता का सपना पूरा करना और दूसरा मेरे खुद का सपना पूरा करना। मुख्यमंत्री जी आप अगर मेरी सहायता करें तो मेरी रास्ते की बाधा दूर हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने आयुषी की तैयारी के लिए अधिकारियों को आवश्यक सुविधा एवं सहायता दिलाने के निर्देश दिए।

दूरस्थ वनांचल बैगा गांव में लगा स्वास्थ्य शिविर

रायपुर। छत्तीसगढ़ शासन द्वारा विशेष पिछड़ी जनजातियों के शिक्षा, स्वास्थ्य और उनके विकास के लिए विशेष कार्य कर रही है। प्रशासन उनके स्वास्थ्य के लिए भी सजग है। इस कड़ी में मुंगेली जिले के दूरस्थ पहुंचविहीन वनांचल बैगा ग्राम मौहामाचा में क्षय एवं कुष्ठ उन्मूलन जनजागरण शिविर का आयोजन किया जा रहा है। गांव के लोगों का स्वास्थ्य जांच कर निःशुल्क दवाई एवं परामर्श दिया गया। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने 36 मरीजों की जांच की गई। शिविर में लोगों का बीपी, शुगर, खून जांच एवं स्वास्थ्य संबंधी जांच किया गया और ग्रामवासियों को सिकलसेल संबंधी जानकारी दी गई।

विकसित छत्तीसगढ़ बनाने में होगी महिलाओं की महत्वपूर्ण भूमिका

रायपुर।

महिला सशक्तिकरण से महिलाओं में उस शक्ति का प्रवाह होता है, जिससे वो स्वयं को सकारात्मक भूमिका देने में अहम योगदान कर सकती है। जीवन से जुड़े हर फैसले स्वयं ले सकती हैं और परिवार और समाज में अच्छे से रह सकती हैं। समाज में उनके वास्तविक अधिकार को प्राप्त करने के लिए उन्हें सक्षम बनाना ही महिला सशक्तिकरण है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की नीतियों की वजह से आज भारत देश विश्व की बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देशों में है। विकसित भारत बनाने के साथ विकसित छत्तीसगढ़ बनाने के लिए यहां की माताओं और बहनों का बड़ा योगदान रहने वाला है। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में छत्तीसगढ़ सरकार राज्य की महिलाओं के सशक्तिकरण के लिए प्रतिबद्ध हैं और इसके लिए राज्य में महतारी वंदन योजना की शुरुआत की गई है। छत्तीसगढ़ में तीज-त्यौहारों और खुशी में महिलाओं को तोहफे, पैसे और नेग देने का रिवाज है। महतारी वंदन योजना के माध्यम से उसी परंपरा को छत्तीसगढ़ शासन निभा रहा है।

उल्लेखनीय है कि महतारी वंदन योजना के तहत राज्य में विवाहित महिलाओं को 1,000 रुपए प्रतिमाह (कुल 12,000 रुपए सालाना) वित्तीय सहायता दी जा रही है, जो प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से सीधे उनके बैंक खातों में जमा की जा रही है।

महिलाएं खुश है कि वो महतारी वंदन योजना से मिली राशि से अपने बच्चों और परिवार की छोटी-छोटी जरूरतें पूरी कर पा रहीं हैं साथ ही कई महिलाएँ भविष्य के लिए निवेश भी कर रहीं हैं। महिलाएं विशेषकर विवाहित महिलाएं घर-परिवार की देखभाल, प्रबंधन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। अपनी छोटी-मोटी बचत का उपयोग ज्यादातर परिवार और बच्चों के पोषण में खर्च करती हैं। लेकिन आर्थिक मामलों में उनकी सहभागिता अभी भी बहुत कम है। इसे देखते हुए राज्य सरकार महिलाओं की आर्थिक सहभागिता बढ़ाने के लिए काम कर रही है। महिलाओं के स्वास्थ्य की बात की जाए तो 2020-21 में हुए राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वे-5 के अनुसार 23.1 प्रतिशत महिलाएं मानक बॉडी मास इंडेक्स से कम स्तर पर हैं। 15 से 49 वर्ष के आयु की महिलाओं में एनीमिया का स्तर 60.8 प्रतिशत और गर्भवती महिलाओं में यह 51.8 प्रतिशत है। ऐसे में महतारी वंदन योजना उनके लिए बड़ी राहत बनकर आई हैं।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय कहते हैं कि उनका प्रयास आने वाले पांच वर्षों में राज्य की जीडीपी को दोगुना करने का होगा। इसी लिए राज्य की महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने के लिए बजट में महतारी वंदन योजना के लिए 3,000 करोड़ रुपये का प्रावधान किया गया है। 10 मार्च से प्रथम किश्त महिलाओं के बैंक खाते में भेजने से प्रारंभ हुई महतारी वंदन योजना में प्रदेश के कुल 70 लाख 12 हजार 417 हितग्राहियों को महतारी वंदन योजना का लाभ प्राप्त हो रहा है, जून माह में चतुर्थ क़िस्त की राशि महिलाओं के बैंक खाते में ज़ारी की जा चुकी है।

राजस्व मंत्री टंक राम वर्मा ने तहसीलदार और छत्तीसगढ़ राजस्व पुस्तक परिपत्र पुस्तकों का किया विमोचन

रायपुर। राजस्व एवं खेल मंत्री टंक राम वर्मा ने अपने निवास कार्यालय में 'तहसीलदार' और 'राजस्व पुस्तक परिपत्र (आर. बी. सी.)' पुस्तकों का विमोचन किया। इस अवसर पर जिला पंचायत रायपुर और अपेक्स बैंक के पूर्व अध्यक्ष श्री अशोक बजाज उपस्थित थे। इस अवसर पर पुस्तकों के लेखक के.के. बाजपेयी, पूर्व संयुक्त सचिव एवं श्री उमेश कुमार पटेल, संयुक्त कलेक्टर, रा.प्र.से.-2015 तथा पुस्तकों के प्रकाशक राज लॉ पब्लिकेशन के प्रोपराईटर श्री चंद्र कुमार ठाकुर एवं श्री अविनाश अग्रवाल उपस्थित थे।

सामान्य प्राशासन विभाग के पूर्व संयुक्त सचिव के.के. बाजपेयी द्वारा लिखित पुस्तक 'तहसीलदार' हमारे राज्य के तहसीलदारों एवं नायब तहसीलदारों को अलग-अलग कानून में प्रदान किए गए शक्तियों एवं अधिरोपित किए गए कर्तव्यों पर प्रकाश डालती है। पुस्तक में कार्यालय में तैयार किए जाने वाले कई दस्तावेजों के स्पष्ट उदाहरण भी शामिल हैं।

इससे हमारे राज्य के तहसीलों की कार्यशैली को बेहतर करने में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को आवश्यक सहयोग प्राप्त हो सकेगा। राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के अवर सचिव श्री उमेश कुमार पटेल की पुस्तक राजस्व पुस्तक परिपत्र (आर.बी.सी.) के द्वितीय संस्करण में अद्यतन विभागीय परिपत्र, संबंधित अधिनियमों, नियमों, अधिसूचनाओं के साथ-साथ विभागीय आदेशों के उदाहरण एवं वस्तुनिष्ठ प्रश्नोत्तरी का भी समावेश किया गया है। विमोचित पुस्तकों के माध्यम से राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के कानून एवं कार्यों के बारे में आम जनता को भी बेहतर जानकारी प्राप्त हो सकेगी।

कला केन्द्र से निखर रहा है हर आयु वर्ग के कलाकारों का कला

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के कर कमलों से 10 मार्च 2024 को शुभारंभ हुए कलाकेन्द्र से अब तक कुल 18 सौ 90 कलाकारों ने लिया 23 अलग-अलग विधाओं में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं, जहां वर्तमान में 9 सौ से अधिक प्रशिक्षणार्थियों के साथ नियमित रूप से सुबह 06 से 10 बजे एवं शाम 04 बजे से रात्रि 08 बजे तक अलग अलग तीन पालियों में कला केन्द्र संचालित हो रहा है।

इसमें हर एक विधा में कुशल प्रशिक्षकों द्वारा संबंधित विधा को बारीकि से सिखाया जाता है और प्रैक्टिकल रूप से ट्रेनिंग दी जाती है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर डॉ गौरव सिंह के मार्गदर्शन में नालंदा परिसर स्थित कला केंद्र का संचालन हो रहा हैं। इस केंद्र में बच्चे और युवाओं को कुल 23 विधाओं का प्रशिक्षण दिया जा रहा है। कला केंद्र परिसर में गाने की रिकॉर्डिंग के लिए कक्ष का निर्माण भी किया गया है। परिसर में निर्मित ओपन मंच पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों की समय-समय पर प्रस्तुतियां होती है। प्रत्येक कमरा वातानुकूलित है और परिसर में शुद्ध पेयजल-शौंचालय के साथ पार्किंग की व्यवस्था है। परिसर में सुरक्षा के लिए गार्ड भी रहते है।

कला केंद्र का संचालन कलेक्टर की अध्यक्षता में समिति गठित कर किया जा रहा है। प्रशिक्षर्थियों के लिए सौ रूपये में पंजीयन एवं पांच सौ रूपये प्रतिमाह की दर से प्रशिक्षण की सुविधा उपलब्ध है। केंद्र में न्यूनतम पांच वर्ष के बच्चों से लेकर 60 वर्ष से अधिक वरिष्ठ व्यक्ति भी प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं। परिसर में अलग-अलग प्रशिक्षण कक्ष तैयार किए गए है। जहां प्ले आर्ट मेहंदी, बासुरी, तबला, हारमोनियम, बैंजो वादन आदि कलाओं का प्रशिक्षण के साथ साथ लोक संगीत, पियानो और गिटार का प्रशिक्षण भी दिया जा रहा है।

मानसून सत्र में छत्तीसगढ़ सरकार लाएगी अनुपूरक बजट, संशोधन विधेयक पेश करने की तैयारी

रायपुर। छत्तीसगढ़ में 22 जुलाई से शुरू होने जा रहे विधानसभा के मानसून सत्र में राज्य सरकार की ओर से अनुपूरक बजट लाने की तैयारी की जा रही है। यह चालू वित्तीय वर्ष का पहला अनुपूरक बजट होगा। अनुपूरक बजट का आकार क्या होगा, यह अभी तक स्पष्ट नहीं है। अनुपूरक बजट को लेकर वित्त विभाग ने सभी विभागों से प्रस्ताव मांगा है। इसके आधार पर बजट प्रस्ताव तैयार किया जाएगा।

बताते चलें कि चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 के लिए सरकार ने कुल एक लाख 60 हजार 568 करोड़ रुपये का मुख्य बजट पेश किया था। इसमें कर्ज और उसके ब्याज की अदायगी को कम करने के बाद बजट का कुल आकार एक लाख 47 हजार 446 करोड़ रुपये का है। इतने बड़े बजट के बावजूद छत्तीसगढ़ सरकार को तीन माह बाद ही अनुपूरक बजट लाना पड़ रहा है। विधानसभा के मानसून सत्र के दौरान सदन की कुल पांच बैठकें होगीं। इस दौरान सरकार की तरफ से अनुपूरक बजट के साथ ही कुछ संशोधन विधेयक पेश किए जाने की तैयारी है। इसमें नगरीय निकायों के चुनाव से जुड़ा संशोधन विधेयक महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि राज्य में इसी वर्ष के अंत में नगरीय निकायों के चुनाव होने हैं।

बताया जाता है कि राज्य सरकार नगरीय निकाय चुनाव में ईवीएम के जरिये मतदान कराने और महापौर का चुनाव प्रत्यक्ष प्रणाली से कराने का फैसला कर सकती है। इस निर्णय को अमल में लाने सरकार को कानून में संशोधन करना होगा। विधानसभा के मानसून सत्र की अधिसूचना जारी होने के साथ ही विधायकों की तरफसे प्रश्न लगाए जाने का क्रम शुरू हो गया है। दो दिनों में कुल 157 प्रश्नों की सूचना विधानसभा सचिवालय को मिली है।

विधायक तीन जुलाई तक सवाल लगा सकते हैं। मानसून सत्र 26 जुलाई तक चलेगा। विधानसभा के मानसून सत्र के बेहद हंगामेदार रहने की संभावना जताई जा रही है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस की तरफ से सरकार को घेरने की पूरी तैयारी की जा रही है। कांग्रेस ला एंड आर्डर विशेष रुप से बलौदाबाजार की घटना को लेकर सदन में सरकार पर हमलावर रह सकती है। पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने इसके संकेत दिए हैं। प्रदेश में कानून व्यवस्था, बिजली कटौती, खाद-बीज की समस्या, योजनाओं के नाम बदले जाने आदि मुद्दे छाए रहेंगे।

महंगाई पर कंट्रोल नहीं, लोगों के मुंह से निवाला छीनने में जुटी केंद्र सरकार : कुमारी सैलजा

चंडीगढ़ (एजेंसी)।

सांसद कुमारी सैलजा ने कहा कि भाजपा की अगुवाई वाली केंद्र सरकार का महंगाई पर कोई भी नियंत्रण नहीं है। एक साल में खाद्य पदार्थों की कीमतों में तीन गुणा बढ़ोतरी से साफ है कि सरकार जनता के मुंह से निवाला छीनने की पूरी कोशिश में जुटी है। महीने भर में सिर्फ खान-पान पर एक आम भारतीय परिवार का खर्च 16400 रुपए तक पहुंचना बेहद डरावने वाला है। मीडिया को जारी बयान में कुमारी सैलजा ने कहा कि देश में रोजमर्रा जरूरत की चीजों के दाम तेजी से बढ़ रहे हैं। कंज्यूमर फूड प्राइस इंडेक्स मई 2024 में 8.69 प्रतिशत पर पहुंच गया, जो मई 2023 में 2.91 प्रतिशत पर था। कमोडिटी रिसर्च फर्म की रिपोर्ट के मुताबिक बीते साल की तुलना में खाद्य तेल के दाम 30 प्रतिशत और दालों के दाम औसतन 20 प्रतिशत अधिक हैं। नव निर्वाचित लोकसभा सांसद ने कहा कि घर खर्च में करीब 24 प्रतिशत हिस्सेदारी रखने वाले किराने के सामान के दाम भी आसमान छूने लगे हैं। बीते दो महीने में ही साबुन, हेयर ऑयल जैसी रोजमर्रा की चीजों के दाम 02-17 प्रतिशत तक बढ़ गए हैं। जबकि, रूटीन में प्रयोग होने वाले दूध, डेयरी प्रोडक्ट व सब्जियों के दाम तेजी से बढ़े तो हैं ही, इनमें अभी और बढ़ोतरी की प्रबल संभावना भी बनी हुई हैं।

कुमारी सैलजा ने कहा कि बैंक ऑफ बड़ौदा की रिपोर्ट से पता चलता है कि अप्रैल-जून तिमाही में टमाटर 37.6 प्रतिशत, प्याज

89.4 प्रतिशत और आलू के दाम में 81.1 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। जबकि, कंज्यूमर रिसर्च फर्म कैंटा की ताजा रिपोर्ट बताती है कि जनवरी-मार्च के तीन महीनों में आम भारतीय परिवार ने ग्रॉसरी (किराना, सब्जी, दूध, अंडे, ब्रेड, पनीर आदि) पर 49418 रुपए खर्च करने पड़े हैं। यानी, हर महीने एक आम भारतीय परिवार किराने पर 16400 रुपए से अधिक खर्च करने को मजबूर हैं। सांसद ने कहा कि इतने भारी भरकम मासिक खर्च की मजबूरी के सामने वे परिवार बेबस हैं, जिनकी महीने की आमदनी ही 15 हजार रुपए तक है। बढ़ती महंगाई से उनके सामने परिवार चलाने का संकट खड़ा होने लगा है। इसलिए ही आर्थिक तंगी से हताश होकर आत्महत्या करने के मामले लगातार बढ़ रहे हैं। परिवार के परिवार जान दे रहे हैं और इस तरह की खबरें अखबारों में अक्सर सुर्खियां बन रही हैं। कुमारी सैलजा ने कहा कि केंद्र सरकार को सख्त से सख्त कदम उठाते हुए महंगाई पर अंकुश लगाना चाहिए। देश की जनता का भूखी न रहे, इस तरह के इंतजाम करने चाहिए। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में महंगाई की समस्या अत्यंत विकराल रूप धारण कर चुकी है। एक दर से बढ़ने वाली महंगाई तो, आम जनता किसी न किसी तरह से सह लेती है लेकिन कुछ समय से खाद्यान्नों और कई उपभोक्ता वस्तुओं के मूल्य में भारी वृद्धि ने उपभोक्ताओं की कमर तोड़ दी है। वस्तुओं के मूल्य में वृद्धि का क्रम इतना तीव्र है कि व्यक्ति जब फिर से उसी चीज को दोबारा खरीदने जाता है तो वस्तु का मूल्य पहले से अधिक हो चुका होता है। जब तक सरकार वर्तमान पर कायम रहेगी, मुद्रास्फीति बढ़ेगी और आम आदमी का जीवन दूभर होता रहेगा। वृद्धि का सरकार के पास कोई जवाब नहीं है। सरकारी नीतियों की विफलता ने महंगाई में वृद्धि की है। जब तक इन विसंगतियों को दूर नहीं किया जा सकता, तब तक महंगाई कम नहीं हो सकती।

अगले पांच दिनों में उत्तर-पश्चिम भारत में भारी बारिश की संभावना,मौसम विभाग की चेतावनी

नई दिल्ली (एजेंसी)।

भारतीय मौसम विभाग (आईएमडी) ने शनिवार को अगले 4-5 दिनों के दौरान दिल्ली और पूर्वोत्तर राज्यों समेत उत्तर-पश्चिम भारत में भारी से बहुत भारी बारिश की भविष्यवाणी की है। मौसम विभाग के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम मानसून शनिवार को पूर्वी उत्तर प्रदेश के शेष हिस्सों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश के कुछ और हिस्सों में आगे बढ़ गया है।

मानसून की उत्तरी सीमा अब राजस्थान में जैसलमेर, चुरू, भिवानी, दिल्ली, अलीगढ़, हरदोई, मुरादाबाद, ऊना (पश्चिमी उत्तर प्रदेश), पंजाब में पठानकोट और जम्मू से होकर गुजर रही है।

मौसम विभाग ने कहा कि अगले 2-3 दिनों के दौरान पश्चिमी राजस्थान, हरियाणा-चंडीगढ़ और पंजाब के कुछ और हिस्सों तथा पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हिमाचल प्रदेश और जम्मू के शेष हिस्सों में दक्षिण-पश्चिम मानसून के आगे बढ़ने के लिए परिस्थितियां अनुकूल हैं। मौसम बुलेटिन के अनुसार, 29 जून से 3 जुलाई तक दिल्ली, हरियाणा चंडीगढ़, पंजाब हिमाचल प्रदेश, उत्तराखंड, उत्तर प्रदेश, मध्य प्रदेश और पूर्वी राजस्थान में, 29 जून, 2 और 3 जुलाई को पश्चिमी राजस्थान में, 29 और 30 जून को छत्तीसगढ़, पश्चिम बंगाल के गंगा के तटीय क्षेत्र, झारखंड, ओडिशा में और 30 जून से 2 जुलाई के दौरान बिहार में भारी बारिश होने की उम्मीद है। उत्तर-पश्चिम, मध्य और पूर्वी भारत में अगले पांच दिनों के दौरान गरज के साथ हल्की से मध्यम बारिश और बिजली गिरने की संभावना जताई गई है। आईएमडी के अनुसार, अगले पांच दिनों के दौरान केरल, कर्नाटक, कोंकण और गोवा, गुजरात, मध्य महाराष्ट्र में गरज के साथ मध्यम बारिश होने की संभावना है। जबकि मराठवाड़ा, तमिलनाडु, पुडुचेरी, तटीय आंध्र प्रदेश, रायलसीमा, तेलंगाना में छिटपुट स्थानों पर हल्की से मध्यम बारिश की उम्मीद है। अगले पांच दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज के साथ मध्यम बारिश होने की उम्मीद है। रश की उम्मीद है। अगले पांच दिनों के दौरान उप-हिमालयी पश्चिम बंगाल और सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश, असम और मेघालय, नागालैंड, मणिपुर, मिजोरम और त्रिपुरा में गरज के साथ हल्की से इस दौरान कुछ जगहों पर भारी से बहुत भारी बारिश हो सकती है।

नई दिल्ली में भारी बारिश के बीच कर्तव्य पथ पर चलते यात्री.

ईरान के राष्ट्रपति चुनाव के शुरुआती नतीजों में भारी उथल-पुथल, कट्टरपंथी सईद जलीली ने बनाई भारी बढ़त

दुबई (एजेंसी)।

ईरान में संपन्न हुए राष्ट्रपति पद के चुनावों के शुरुआती रुझान आने शुरू हो गए हैं। ईरान के सरकारी टीवी के मुताबिक शुरुआती रुझानों में कट्टरपंथी उम्मीदवार सईद जलीली ने भारी बढ़त बना ली है। इससे उनका ईरान का अगला राष्ट्रपति बनना लगभग तय माना जा रहा है। जबकि सुधारवादी उम्मीदवार मसूद पेजेशकियन दूसरे स्थान पर हैं। मगर वह सईद जलीली से भारी मतों के अंतर से पीछे चल रहे हैं। हालांकि ईरान के सरकारी टेलीविजन चैनल द्वारा प्रसारित प्रारंभिक परिणामों में जलीली को चुनाव में शुरुआत में सीधे जीत हासिल करने की स्थिति में नहीं दिखाया गया है।

ऐसे में चुनाव परिणामों में शीर्ष

दो स्थानों पर रहने वाले उम्मीदवारों के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना नजर आ रही है। शुरुआती रुझानों में जलीली को एक करोड़ से अधिक वोट मिले हैं, जबकि पेजेशकियन को 42 लाख वोट मिले है। संसद के कट्टरपंथी स्पीकर मोहम्मद बाघेर कलीबाफ को 13 लाख 80 हजार वोट मिले। शिया धर्मगुरु मुस्तफा पूरमोहम्मदी को करीब 80,000 वोट मिले हैं। ईरान में राष्ट्रपति पद के चुनाव के लिए शुक्रवार को मतदान हुआ था। ईरान में ये चुनाव पिछले महीने राष्ट्रपति इब्राहिम रईसी की एक विमान दुर्घटना में मौत होने के कारण हो रहे हैं। ये चुनाव ऐसे समय में हो रहे हैं, जब इजरायल-हमास के बीच जारी युद्ध को लेकर पश्चिम एशिया में व्यापक स्तर पर तनाव है और ईरान पिछले कई वर्षों से आर्थिक संकट का सामना कर रहा है। ईरान के संविधान के मुताबिक किन्हीं परिस्थितियों में मौजूदा राष्ट्रपति की मौत हो जाने पर उसके 40 दिनों के अंदर राष्ट्रपति चुनाव कराना जरूरी होता है।

कौन हैं सईद जलीली

ईरान में शुरुआती चुनाव परिणामों में आगे चल रहे सईद जलीली पूर्व परमाणु वार्ताकार रहे हैं। पश्चिमी देशों के साथ ईरान के परमाणु समझौते को लेकर उन्होंने बहुत सकारात्मक और अहम भूमिका निभाई है। वह ईरान के राष्ट्रीय सुरक्षा आयोग के पूर्व भी रह चुके हैं। वह ईरान के अयातुल्ला खामेनेई के करीबी भी हैं। परमाणु हथियारों को लेकर वह काफी आक्रामक माने जाते हैं।

कोई छात्र स्कूल से वंचित न रहे, ये देश की सबसे बड़ी सेवा होगी : सीएम योगी

लखनऊ (एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को लोकभवन में आयोजित कार्यक्रम में प्रदेश के मेधावी छात्र एवं छात्राओं को सम्मानित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि कोई छात्र स्कूल से वंचित न रहे, ये देश की सबसे बड़ी सेवा होगी। उन्होंने कहा, श्रीमद्भागवत गीता में तो किसी को शिक्षित करना सबसे पवित्र कार्य माना गया है। मेधावी छात्र-छात्राओं को सम्मानित करने के बाद सीएम योगी ने कहा कि सचमुच एक गुरु के लिए इससे बड़ी बात क्या हो सकती है कि जिसको उन्होंने गाइड किया वो देश में, प्रदेश में, जनपद में उच्च स्थान प्राप्त कर उन्हें गौरवान्वित कर रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षा, उत्तर प्रदेश माध्यमिक संस्कृत शिक्षा परिषद, काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन नई दिल्ली और केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड नई दिल्ली से जुड़े छात्र-छात्राओं को यहां सम्मानित किया गया है। हाईस्कूल और इंटरमीडिएट की मेरिट में जगह बनाने वाले छात्र-छात्राओं की कुल संख्या 170 है, जिनमें छात्र 58 हैं और छात्राएं 112 हैं। ये सफलता बताती है कि बेटियों ने लंबी छलांग मारी है और बेटी पर ज्यादा ध्यान देने की आवश्यकता है।

उन्होंने कहा, मेरिट में आने वाले सभी छात्र-छात्राओं को सर्टिफिकेट, टैबलेट और एक लाख रुपए नकद उपलब्ध कराने का कार्य सरकार कर रही है।

इसके साथ ही ये छात्र जिस गांव, मोहल्ले के होंगे, वहां की सड़क का नामकरण इनके नाम पर या वहां की सड़क का निर्माण कार्य सरकार के स्तर पर होगा। विधायक और सांसद के साथ मिलकर इन्हीं के द्वारा इसका शिलान्यास भी कराया जाना चाहिए।

हैदराबाद की दिल दहलाने वाली घटना, आवारा कुत्तों ने 6 साल के बच्चे को नोच-नोचकर मार डाला

हैदराबाद (एजेंसी)।

हैदराबाद से एक दिल को दहला देने वाली दर्दनाक घटना सामने आई है। संगारेड्डी जिले के पटानचेरु में आवारा कुत्तों ने छह साल के एक लड़के पर हमला कर दिया और उसे नोच-नोचकर मार डाला। वह बच्चा उस समय एक डंप यार्ड के पास शौच कर रहा था कि तभी कुत्तों ने उसपर हमला कर दिया। बच्चे के माता-पिता बिहार के रहने वाले हैं और दोनों मजदूर हैं। बच्चे का नाम विशाल है। कुत्तों ने उसे नोच डाला जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। बता दें कि कुछ ही दिनों पहले हैदराबाद के मणिकोंडा में एक महिला पर कुत्तों के झुंड ने

हमला कर दिया था, जब वह सुबह की सैर पर निकली थी। तेलंगाना में हाल के दिनों में आवारा कुत्तों के हमलों की वारदात बढ़ती जा रही है। कुत्तों के हमले में पिछले 12 महीनों में कम से कम 11 लोगों की मौत हुई है। पाटनचेरु इंस्पेक्टर प्रवीण रेड्डी ने एक न्यूज एजेंसी को बताया, 3-4 कुत्तों के एक झुंड ने छह साल के बच्चे विशाल पर हमला किया और उसकी गर्दन काट दी। उसके शरीर के अन्य हिस्सों पर भी गंभीर चोटें आईं थीं। पुलिस ने सीआरपीसी की धारा 174 (संदिग्ध मौत) के तहत मामला दर्ज किया है।

स्कूल में होने वाला था दाखिला, कुत्तों ने मार डाला :- इस्नापुर में एक निर्माण स्थल के करीब कुत्तों के झुंड ने हमला वहां किया जहां विशाल के माता-पिता काम करते हैं। वह उस समय अकेला था जब सुबह करीब साढ़े छह बजे आवारा कुत्ते उस पर टूट पड़े। जब तक उसके माता-पिता मौके पर पहुंचे, तब तक विशाल की मौत हो चुकी थी। माता पिता ने बताया कि लड़के विशाल का स्कूल में दाखिला होने वाला था, वह स्कूल जाने की बात से काफी खुश था। लेकिन किसे पता था कि उसकी ऐसे मौत हो जाएगी। पुलिस ने बताया कि लड़के के माता-पिता बिहार से हैदराबाद चले आए थे और निर्माण स्थल पर काम कर रहे थे, जहां उन्हें आवास उपलब्ध कराया गया था। विशाल मजदूर दंपति का छोटा बेटा था,उनका एक और बेटा है। उसका एडमिशन भी स्कूल में कराना था।

डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही, बच्चे के पैर का करना था ऑपरेशन कर दिया खतना

शाहपुर (एजेंसी)। महाराष्ट्र के शाहपुर स्थित उपजिला अस्पताल में डॉक्टरों की बड़ी लापरवाही का मामला सामने आया है। यहां खेलते समय पैर में चोट लगने के बाद एक बच्चा इलाज कराने पहुंचा था। डॉक्टरों ने जांच पड़ताल की और कहा कि पैर का ऑपरेशन करना होगा। परिजनों की सहमति मिलने के बाद डॉक्टर बच्चे को ऑपरेशन थिएटर ले गए और उसका खतना कर दिया। बाद में मामले की जानकारी होने पर बच्चे के परिजनों ने अस्पताल में जमकर हंगामा काटा। परिवार ने अस्पताल और पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि डॉक्टरों को भ्रम हो गया क्योंकि उसी आयु वर्ग के अन्य मरीज वहां मौजूद थे। जबकि डॉक्टरों का दावा है कि वे सही थे क्योंकि लड़के के लिंग पर संक्रमण था, उसके माता-पिता ने इस बात से साफ इनकार किया है। ठाणे सिविल अस्पताल के सिविल सर्जन डॉ. कैलास पवार की देखरेख में जांच शुरू की गई है।

जजों की तुलना भगवान से करना उचित नहीं : चंद्रचूड़

कोलकाता (एजेंसी)।

भारत के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डी.वाई. चंद्रचूड़ ने शनिवार को कहा कि जजों की तुलना भगवान से करने की परंपरा खतरनाक है क्योंकि जजों की जिम्मेदारी आम लोगों के हित में काम करने की है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने यहां नेशनल ज्यूडिशियल एकेडमी के क्षेत्रीय सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा, अक्सर हमें ऑनर या लॉर्डशिप या लेडीशिप कहकर संबोधित किया जाता है। जब लोग अदालत को न्याय का मंदिर बताते हैं तो इसमें एक बड़ा खतरा है।

बड़ा खतरा है कि हम खुद को उन मंदिरों में बैठे भगवान मान बैठें। सीजेआई ने कहा कि जब उनसे कहा जाता है कि अदालत न्याय का मंदिर होता है तो वह कुछ बोल नहीं पाते हैं क्योंकि मंदिर का मतलब है कि जज भगवान की जगह हैं। उन्होंने कहा, बल्कि मैं कहना चाहूंगा कि जजों का काम लोगों की सेवा करना है। और जब आप खुद को ऐसे व्यक्ति के रूप में देखेंगे जिनका काम लोगों की सेवा करना है तो आपके अंदर दूसरे के प्रति संवेदना और पूर्वाग्रह मुक्त न्याय करने का भाव पैदा होगा। उन्होंने कहा कि किसी क्रिमिनल केस में भी सजा सुनाते समय जज संवेदना के साथ ऐसा करते हैं क्योंकि अंततः किसी इंसान को सजा सुनाई जा रही है। सीजेआई चंद्रचूड़ ने कहा, इसलिए मेरा मानना है कि संवैधानिक नैतिकता की ये अवधारणाएं महत्वपूर्ण हैं - न सिर्फ सुप्रीम कोर्ट या हाई कोर्ट के जजों के लिए बल्कि जिला स्तर के जजों के लिए भी क्योंकि न्यायपालिका के साथ आम लोगों का पहला संपर्क जिले की न्याय व्यवस्था के साथ ही शुरू होता है। उन्होंने न्यायपालिका के कामकाज में टेक्नोलॉजी के महत्व पर भी जोर दिया। सीजेआई चंद्रचूड़ के अनुसार, आम लोगों द्वारा फैसले तक पहुंच और इसे समझने में भाषा सबसे बड़ी बाधा है।

राजस्थान में इस वर्ष होंगी सरकारी नौकरियों में 70 हजार पदों पर भर्तियां : सीएम भजनलाल शर्मा

जयपुर (एजेंसी)।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि विकसित एवं उत्कृष्ट राजस्थान बनाने में युवा शक्ति की अहम भूमिका होगी। राजकीय सेवाओं में युवाओं को प्रदेश व समाज के जरूरतमंद वर्ग की सेवा करने एवं सकारात्मक परिवर्तन लाने का अवसर प्राप्त होता है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश के युवाओं की उम्मीदों पर खरा उतर रही है और उन्हें सरकारी नौकरियों के सुनहरे अवसर भी प्रदान कर रही है। शर्मा शनिवार को जयपुर के मानसरोवर स्थित टैगोर इंटरनेशनल स्कूल ऑडिटोरियम में प्रथम बार आयोजित हो रहे राज्य स्तरीय 'मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव' समारोह को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने नवनियुक्त राज्य कार्मिकों को नियुक्ति पत्र प्रदान कर उत्कृष्ट राज्यकार्य के लिए प्रेरित किया। साथ ही, सभी जिला मुख्यालयों से जुड़े नवनियुक्त कार्मिकों से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से संवाद भी किया।

कार्यक्रम में प्रदेश के सभी जिलों से 20 हजार से अधिक नवनियुक्त अधिकारी-कर्मचारी शामिल हुए। मुख्यमंत्री ने कहा कि युवा को जब नौकरी मिलती है तो पूरे परिवार को आत्मबल की अनुभूति होती है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से प्रेरणा लेते हुए प्रदेश में नियमित रूप से 'मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव' आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार देने के संकल्प पत्र के वादे को पूरा करने के लिए पारदर्शी एवं समयबद्ध भर्ती परीक्षाओं का आयोजन सुनिश्चित कर रही है। शर्मा ने कहा कि प्रदेश में रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के साथ ही खेल प्रतिभाओं को भी आगे बढ़ाया जा रहा है। इसके लिए संभाग स्तर पर खेल सुविधाएं विकसित हो रही हैं ताकि मिशन ओलंपिक के लिए युवाओं को

प्रतिस्पर्धी माहौल और उच्च स्तरीय प्रशिक्षण एवं संसाधन उपलब्ध हो सकें। शर्मा ने कहा कि युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर प्रदान करने के लिए विभागों में रिक्त पदों एवं सेवानिवृत्ति के बाद रिक्त पदों की कलेण्डर बनाकर भर्तियां आयोजित की जाएंगी। इस वर्ष विभिन्न राजकीय सेवाओं के 70 हजार पदों पर भर्तियां की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि हमारी सरकार द्वारा अब तक 16 हजार 641 पदों पर नियुक्ति, 58 हजार पदों के लिए विज्ञापन जारी, 11 हजार 500 पदों के लिए परीक्षा आयोजित एवं 5 हजार 500 पदों की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार प्रदेश में युवाओं के लिए बेहतर रोजगार के अवसर उपलब्ध करवाने के लिए कृतसंकल्पित है। इस दिशा में प्रदेश में जेम्स एवं ज्वेलरी पार्क, भीलवाड़ा में टेक्सटाइल पार्क, इंडस्ट्रियल कॉरिडोर तथा हैंडीक्राफ्ट पार्क स्थापित किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि पर्यटन, निर्माण, सेवा, एमएसएमई, कृषि, गैर-परंपरागत ऊर्जा में निवेश एवं ढांचागत सुधारों के जरिये प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रूप से रोजगार के अवसर प्रदान किए जाएंगे। साथ ही, स्किल डवलपमेंट के माध्यम से युवाओं में कौशल संवर्द्धन किया जाएगा। शर्मा ने कहा कि भर्ती प्रक्रिया में फर्जीवाड़ा करने वाले सावधान रहें, क्योंकि प्रदेश में सरकार बदल गई है और युवाओं के हितों पर कुठाराघात करने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। उन्होंने कहा कि हमने सरकार का गठन होते ही पेपरलीक मामलों की त्वरित जांच के लिए एसआईटी का गठन किया और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जा रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के लिए आईटी आधारित नवाचार को अपनाया जाएगा। रोग एवं उपचार की समस्त जानकारी एक ही प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हो सकेगी, जिससे रोगी और चिकित्सक को पेशेंट हिस्ट्री सुलभता से उपलब्ध होगी। कार्यक्रम में कौशल, नियोजन एवं उद्यमिता मंत्री कर्नल राज्यवर्धन राठौड़ ने कहा कि राजकीय सेवाओं में नवनियुक्त कार्मिक मेहनत एवं लगन से समाज और जरूरतमंद की मदद करके सकारात्मक परिवर्तन लाएं। उन्होंने कहा कि टीम भावना से कार्यस्थल पर अपनी जिम्मेदारियों को निभाएं। शिक्षा एवं पंचायती राज मंत्री मदन दिलावर ने कहा कि राजकीय सेवा में आकर जनता की आकांक्षाओं को पूरा किया जा सकता है। उन्हें उम्मीद है कि नवनियुक्त कार्मिक अच्छा कार्य करेंगे। संसदीय कार्यमंत्री जोगाराम पटेल ने कहा कि मुख्यमंत्री के नेतृत्व में ऐतिहासिक फैसला लेकर मुख्यमंत्री रोजगार उत्सव का आयोजन किया गया है।

भारत के दबदबे की पांच वजह, गेंदबाजों ने बनाया टी20 चैंपियन, द्रविड़-रोहित की रणनीति भी कमाल

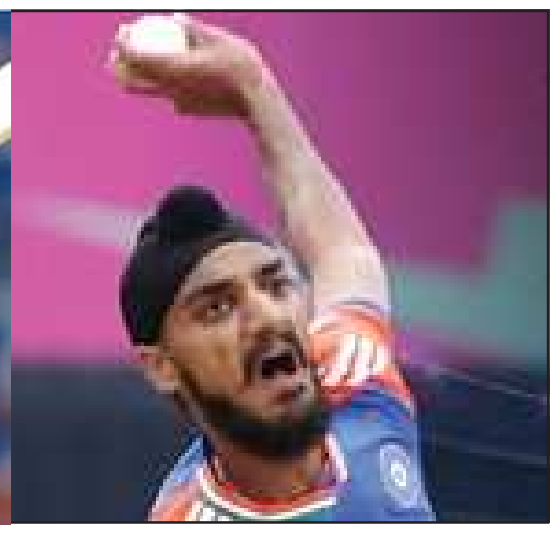

बारबाडोस (एजेंसी)। भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन करते हुए टी20 विश्व कप के फाइनल में दक्षिण अफ्रीका को हराकर 11 साल का सूखा समाप्त किया। रोहित शर्मा की अगुआई वाली टीम का प्रदर्शन इस टूर्नामेंट में दमदार रहा और टीम ने ग्रुप चरण से लेकर फाइनल तक अपना लोहा मनवाया। भारतीय टीम खिताबी मुकाबले में एक समय अच्छी स्थिति में नहीं थी, लेकिन गेंदबाजों ने अंत में मैच बदला और टीम को चैंपियन बनाने में अहम भूमिका अदा की। यूं तो क्रिकेट एक टीम का खेल है जिसमे व्यक्तिगत प्रदर्शन नहीं, बल्कि जीत में पूरी टीम का योगदान होता है। हालांकि, विश्व कप जैसे टूर्नामेंट में हर टीम में कुछ ऐसे खिलाड़ी होते हैं जो अपने प्रदर्शन से सभी को प्रभावित करते हैं।

भारतीय टीम टी20 विश्व कप में ग्रुप-ए में शामिल थी जिसमे पाकिस्तान, आयरलैंड, अमेरिका और कनाडा भी मौजूद थे। टूर्नामेंट शुरू होने से पहले भारत ने एकमात्र अभ्यास मैच बांग्लादेश के खिलाफ खेला जिसमे जीत दर्ज की। भारत ने ग्रुप चरण के अपने सभी मैच अमेरिका में खेले। भारत का टूर्नामेंट में पहला मुकाबला पांच जून को आयरलैंड के खिलाफ हुआ जिसमे टीम ने आठ विकेट से जीत दर्ज की। इसके बाद टीम का सामना चिर प्रतिद्वंद्वी पाकिस्तान से नौ जून को न्यूयॉर्क में था। भारतीय टीम इस मैच में सुखद स्थिति में नहीं थी, लेकिन अंत में गेंदबाजों के दमदार प्रदर्शन ने भारत पाकिस्तान को छह रन से हराने में सफल रहा। फिर टीम का सामना 12 जून को अमेरिका से हुआ जहां भारत ने सात विकेट से जीत दर्ज कर सुपर आठ चरण के लिए क्वालिफाई किया।

भारत का ग्रुप चरण का अंतिम मुकाबला कनाडा से फ्लोरिडा में था जो बारिश के चलते रद्द हो गया। भारत अगले दौर के लिए वेस्टइंडीज गई जहां उसका पहला मुकाबला 20 जून को अफगानिस्तान से हुआ। भारतीय टीम ने इस मैच में शानदार प्रदर्शन करते हुए 47 रनों से जीत दर्ज की। इसके बाद टीम ने 22 जून को बांग्लादेश को 50 रनों से हराया। भारत का फिर 24 जून को वनडे विश्व कप की विजेता टीम ऑस्ट्रेलिया से मुकाबला हुआ। भारत का इस टूर्नामेंट में यह सबसे महत्वपूर्ण मुकाबला था। भारतीय टीम ने कप्तान रोहित शर्मा के दम पर यह मुकाबला 24 रनों से जीतकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। अंतिम चार में भारत का सामना गत चैंपियन इंग्लैंड से हुआ। इंग्लैंड ने ही 2022 में सेमीफाइनल में हराकर भारत का अभियान समाप्त किया था। भारत ने इसका बदला लेते हुए गत चैंपियन टीम को 68 रनों से हराकर खिताबी मुकाबले में प्रवेश किया।

भारतीय टीम के इस शानदार प्रदर्शन का सबसे बड़ा श्रेय रोहित शर्मा की कप्तानी को जाता है। उनके सभी फैसले कारगर साबित हुए हैं। टीम इंडिया के खिलाड़ियों का समर्थन करना और उन्हें अगले मैच के लिए प्रोत्साहित करना कप्तान का सबसे सराहनीय कार्य रहा है। दिलचस्प बात यह है कि रोहित की कप्तानी में भारत ने तीन आईसीसी प्रतियोगिताओं का फाइनल खेला है। इनमें विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023, वनडे विश्व कप 2023 और टी20 विश्व कप 2024 शामिल है। टी20 विश्व कप के लिए जब भारतीय टीम का चयन हुआ तो इसमे चार स्पिनरों को शामिल किया गया था। इस पर काफी सवाल उठे थे और उस वक्त रोहित ने कहा था कि चार स्पिनरों को लेने का फैसला उनका था और आने वाले समय में समझ में आएगा कि उन्होंने यह मांग क्यों की थी। जिस तरह भारत ने स्पिनरों का उपयोग किया वो यह दर्शाता है कि रोहित का यह निर्णय सही साबित हुआ। आयरलैंड के खिलाफ टीम के पहले मैच में रोहित ने अर्धशतकीय पारी खेली थी, लेकिन इसके बाद उनका बल्ला एकदम खामोश हो गया था। रोहित एक समय रन बनाने के लिए संघर्ष कर रहे थे और टीम को दमदार शुरुआत भी नहीं दिला पा रहे थे। हालांकि, ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर-आठ मैच में उन्होंने विराट कोहली के आउट होने के बाद मोर्चा संभाला और 92 रनों की विस्फोटक पारी खेली। उनके दमदार प्रदर्शन की बदौलत भारत सेमीफाइनल में पहुंचा। वहीं, इंग्लैंड के खिलाफ भी रोहित का बल्ला जमकर गरजा और उन्होंने 39 गेंदों में 57 रनों की तूफानी पारी खेली। इस दौरान उन्होंने 146.15 के स्ट्राइक रेट से छह चौके और दो छक्के लगाए। रोहित का यह प्रयास भारत के लिए मास्टरकार्ड साबित हुआ। रोहित शर्मा भारत के लिए इस टूर्नामेंट में सर्वाधिक रन बनाने वाले बल्लेबाज भी बने। हालांकि, फाइनल में उनका बल्ला कुछ खास नहीं चला।

इस टूर्नामेंट में भारत के लिए सबसे ज्यादा प्रभावित गेंदबाजों ने किया। पाकिस्तान, ऑस्ट्रेलिया और इंग्लैंड जैसे बड़ी टीमों के खिलाफ गेंदबाजों ने जिस तरह का प्रदर्शन किया वो तारीफ के काबिल था। जसप्रीत बुमराह की अगुआई में तेज गेंदबाजों ने जहां शुरुआत से विपक्षी टीमों को दबाव में रखा, वहीं मध्य ओवरों में जब भी भारत को सफलता की जरूरत पड़ी तो स्पिनरों ने अपनी भूमिका बखूबी निभाई। कलाई के स्पिनर कुलदीप यादव को ग्रुप चरण में प्लेइंग-11 में शामिल नहीं किया गया था और सुपर आठ चरण से उन्हें टीम में जगह मिली। कुलदीप ने अपने पहले ही मैच से प्रभाव छोड़ा और हर मैच में विकेट लेने में सफल रहे। फाइनल में हार्दिक पांड्या का प्रदर्शन दमदार रहा और उन्होंने इस मैच में तीन विकेट झटके।

भारत के आईसीसी टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन का काफी श्रेय मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को भी जाता है। द्रविड़ के नेतृत्व में टीम 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में पहुंची थी, जबकि विश्व टेस्ट चैंपियनशिप 2023 के फाइनल तथा वनडे विश्व कप के फाइनल में भी पहुंचने में सफल रही थी। भले ही भारत चैंपियन नहीं बन सका था, लेकिन द्रविड़ के अगुआई में जिस तरह टीम लगातार नॉकआउट में पहुंची उसे नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। 2022 टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में मिली हार के बाद द्रविड़ ने रुख भी बदला। द्रविड़ का कोच के रूप में यह आखिरी मुकाबला था। किसी भी टीम के लिए बड़े टूर्नामेंट में एकजुट होकर खेलना काफी महत्वपूर्ण होता है। भारतीय टीम ने वनडे विश्व कप के बाद इस बार टी20 विश्व कप में भी एक इकाई के रूप में बेहतर प्रदर्शन किया। जब शीर्ष क्रम टीम को अच्छी शुरुआत दिलाने में नाकाम रहा तो सूर्यकुमार यादव की अगुआई में मध्य क्रम के बल्लेबाजों ने मोर्चा संभाला और टीम को चुनौतीपूर्ण स्कोर तक पहुंचाने में योगदान दिया। वहीं, पाकिस्तान के खिलाफ जब बल्लेबाजी आक्रमण फ्लॉप साबित हुआ तो गेंदबाजों ने प्रभावी प्रदर्शन कर टीम को जीत दिलाई। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ सुपर आठ चरण और इंग्लैंड के खिलाफ सेमीफाइनल में भारतीय टीम पूरी तरह एकजुट दिखी और हर खिलाड़ी एक दूसरे की सफलता का जश्न मनाता दिखा।

विराट का टी20 करियर जून में शुरू होकर जून में ही खत्म; रोहित ने भी बतौर चैंपियन किया खेल का अंत

नई दिल्ली (एजेंसी)। टी20 विश्व कप 2024 के फाइनल के बाद विराट कोहली और रोहित शर्मा ने टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास ले लिया। खिताब जीतते ही विराट ने तुरंत ही ब्रॉडकास्टर को संन्यास के बारे में बता दिया, वहीं रोहित ने प्रेस कॉन्फ्रेंस में संन्यास की घोषणा की। दोनों के टी20 अंतरराष्ट्रीय से संन्यास लेने से भारत के एक क्रिकेट युग का अंत हो गया। रोहित 2007 से तो विराट 2010 से भारत की टी20 टीम का हिस्सा रहे हैं। दोनों ने इस प्रारूप में कई बड़े रिकॉर्ड बनाए और अब टी20 चैंपियन बनाकर अपने-अपने करियर का अंत किया। हालांकि, इन दोनों के करियर के साथ एक संयोग भी जुड़ा हुआ है। आइए जानते हैं...

कोहली ने अपने टी20 अंतरराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 12 जून 2010 को की थी। अब 14 साल बाद जून में ही अपना आखिरी मैच भी खेला। भारत के लिए विराट ने 125 टी20 मैच खेले, जिसमें 48.69 की औसत के साथ 4188 रन बनाए। वह रोहित शर्मा के बाद इस प्रारूप में सबसे ज्यादा रन बनाने वालों में दूसरे नंबर पर हैं। कोहली ने अपने इस करियर में एक शतक और 38 अर्धशतक जमाए। वह टी20 विश्व कप के इतिहास में सबसे ज्यादा 1292 रन बनाने वाले बल्लेबाज भी हैं। उनके नाम टी20 विश्व कप में सबसे ज्यादा 15 अर्धशतक भी हैं।

कोहली ने अवॉर्ड लेने के दौरान संन्यास का एलान करते हुए कहा, यह मेरा आखिरी टी20 विश्व कप था, हम यही हासिल करना चाहते थे। एक दिन आपको ऐसा महसूस होता है कि आप दौड़ नहीं सकते और ऐसा होता है। ऊपर वाला महान है। अभी नहीं तो कभी नहीं जैसी स्थिति थी। भारत के लिए खेलते हुए यह मेरा आखिरी टी20 मैच था। हम उस कप को उठाना चाहते थे। ऐसा कुछ नहीं जिसकी मैं घोषणा नहीं करने वाला था। भले ही हम हार गए होते तो भी मैं संन्यास लेता।

यह अगली पीढ़ी के लिए टी20 खेल को आगे ले जाने का समय है। आईसीसी टूर्नामेंट जीतने का इंतजार करते हुए हमारे लिए यह एक लंबा इंतजार रहा है। आप रोहित जैसे खिलाड़ी को देखें, उन्होंने नौ टी20 विश्व कप खेले हैं और यह मेरा छठा विश्व कप है। वह इस जीत के हकदार हैं।

वहीं, रोहित की बात करें तो उन्होंने अपने टी20 अंतराष्ट्रीय करियर की शुरुआत 2007 में टी20 विश्व कप ट्रॉफी जीतकर की थी। वह 2007 में धोनी की अगुआई में चैंपियन बनने वाली टीम का भी हिस्सा रहे थे। अब नौवें संस्करण में उन्होंने खुद अगुआई करते हुए भारत को टी20 विश्व कप चैंपियन बनाया और करियर का अंत भी एक चैंपियन के तौर पर किया। रोहित ने टीम इंडिया के लिए टी20 में बतौर कप्तान 50 मैच जीते हैं और यह एक रिकॉर्ड भी है। उनसे ज्यादा मैच अभी तक टी20 में किसी कप्तान ने नहीं जीते हैं। संन्यास का एलान करते हुए रोहित ने कहा कि इससे बेहतर समय कुछ और नहीं हो सकता। उन्होंने कहा- मैं इस ट्रॉफी और टी20 विश्व कप जीतने के लिए बेताब था। मैं इसे जीतना चाहता था और अब ऐसा हो गया है। खुश हूं कि इस बार हम कामयाब रहे हैं। रोहित ने कहा कि वह टेस्ट और वनडे प्रारूपों में भारत के लिए खेलते रहेंगे, लेकिन वह सबसे छोटे फॉर्मेट से पीछे हट रहे हैं। रोहित ने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान भारत के ऐतिहासिक दूसरे टी20 विश्व कप खिताब का जश्न मनाते हुए कहा, अलविदा कहने का इससे बेहतर समय नहीं हो सकता।

रोहित ने चखा जीत का स्वाद

विश्व विजेता बनने के बाद बारबाडोस के मैदान से उठाकर खाई मिट्टी

बारबाडोस (एजेंसी)। दक्षिण अफ्रीका को फाइनल मुकाबले में हराकर भारत 17 साल बाद एक बार फिर टी20 विश्व विजेता बना। शनिवार को बारबाडोस में खेले गए मुकाबले में भारत ने दक्षिण अफ्रीका को सात रनों से हरा दिया। विश्व विजेता का खिताब अपने नाम करने के बाद सभी भारतीय खिलाड़ियों के आंखों में खुशी के आंसू झलक रहे थे। इस जीत के साथ ही कप्तान रोहित शर्मा ने टी20 से संन्यास ले लिया। अपने आखिरी टी20 वर्ल्ड की जीत का जश्न उन्होंने बहुत ही खास अंदाज में मनाया। उन्होंने इस पल को हमेशा के लिए अपने अंदर समा कर रखने के लिए मैदान से मिट्टी उठाकर खा लिया। बारबाडोस के केनसिंगटन ओवल ही वह मैदान है, जहां रोहित शर्मा ने टी20 प्रारूप में आखिरी बार कप्तानी की और टीम इंडिया को विश्व कप विजेता बना दिया। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल (आईसीसी) ने जीत के जश्न का वीडियो साझा किया।

सूर्यकुमार के इस कैच ने पलटा मैच, जीत के बाद रो रहे हार्दिक को रोहित ने चूमा, तस्वीरों में जीत के पल

बारबाडोस (एजेंसी)। भारत टी20 चैंपियन बन चुका है। शनिवार को बारबाडोस में खेले गए रोमांचक फाइनल में टीम इंडिया ने दक्षिण अफ्रीका को सात रन से हरा दिया। फाइनल मुकाबले में जीत में सूर्यकुमार यादव की भूमिका काफी अहम रही। उन्होंने डेविड मिलर का कैच लेकर पूरे मैच को पलट दिया। एक समय ऐसा लग रहा था कि मैच भारत के हाथ से फिसल जाएगा। दक्षिण अफ्रीका को छह गेंद पर 16 रन बनाने थे। स्ट्राइक पर विस्फोटक डेविड मिलर थे। उन्होंने हार्दिक पांड्या की गेंद को सामने की ओर खेला।

ऐसा लगा कि गेंद बाउंड्री के बाहर चली जाएगी, लेकिन सूर्या बीच में आ गए। उन्होंने दो प्रयासों में इस कैच को पूरा किया। सूर्या ने मिलर का कैच लेकर मैच ही पलट दिया। उनके इस कैच को 1983 वनडे विश्व कप कप फाइनल में कपिल देव और 2007 टी20 विश्व कप फाइनल में श्रीसंत के कैच की याद दिला दी। कपिल देव ने वेस्टइंडीज के महान बल्लेबाज विवियन रिचर्ड्स और श्रीसंत ने पाकिस्तान के मिस्बाह उल हक का कैच लिया था और भारत को विश्व चैंपियन बनाया था। सूर्या के इसी कैच ने भारत की वापसी मैच में करा दी और टीम इंडिया चैंपियन बन गई।

कुछ महीने पहले जब हार्दिक पांड्या को मुंबई इंडियंस की कप्तानी सौंपी गई थी तो फैंस ने इसकी काफी आलोचना की थी। मुंबई के लाइव मैच के दौरान उन्हें फैंस से तीखी टिप्पणी सहनी पड़ी थी। हालांकि, इस पूरे मुश्किल समय में वह मुस्कुराते रहे। अब टी20 विश्व कप में हार्दिक ने अपने प्रदर्शन से आलोचकों का मुंह बंद कर दिया। फाइनल में उन्होंने 17वें और 20वें ओवर में गेंदबाजी की और दक्षिण अफ्रीका के जबड़े से जीत छीनकर टीम इंडिया की झोली में डाला। उन्होंने तीन ओवर में 20 रन दिए और तीन महत्वपूर्ण विकेट झटके। इनमें क्लासेन और मिलर के विकेट शामिल हैं। टीम इंडिया को जिताने के बाद वह फूट फूटकर रोने लगे। ऐसे में रोहित उनके पास आए और उन्हें चूम लिया। यह पल और फोटो देख फैंस भावुक हो गए। जीत के बाद राहुल द्रविड़ भी आक्रामक तरीके से जश्न मनाते दिखे। कोहली ने जैसे ही विश्व कप ट्रॉफी द्रविड़ को सौंपी, उन्होंने जमकर चीखा और जश्न मनाया। द्रविड़ की टीम 2007 में वेस्टइंडीज में ही वनडे विश्व कप के दौरान पहले दौर से बाहर हुई थी और अब इसी जगह अपनी कोचिंग में उन्होंने टीम इंडिया को चैंपियन बनाया है। इतना ही नहीं, भारतीय टीम ने उन्हें हवा में उछाला भी। पावरप्ले में मिले शुरूआती झटकों से उबरते हुए विराट कोहली और अक्षर पटेल ने भारत को में सात विकेट पर 176 रन तक पहुंचाया था। भारत ने एक समय पांचवें ओवर में तीन विकेट सिर्फ 34 रन पर गंवा दिए थे। इसके बाद अक्षर (31 गेंद में 47 रन) और कोहली (59 गेंद में 76 रन) ने टीम को संकट से निकाला। कोहली और अक्षर ने चौथे विकेट के लिये 54 गेंद में 72 रन की साझेदारी की।

2022 में चोट के चलते नहीं खेले बुमराह, अब वापसी कर अपने दम पर भारत को बनाया विश्व चैंपियन

बारबाडोस (एजेंसी)।

टीम इंडिया ने टी20 विश्व कप का खिताब जीत लिया है। फाइनल में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ सात रन से जीत हासिल कर टीम इंडिया ने 11 साल के आईसीसी ट्रॉफी के सूखे को खत्म किया। वहीं, 17 साल के बाद भारतीय टीम टी20 चैंपियन बनी है। भारत की जीत में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह का किरदार अहम रहा। इसके लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट का अवॉर्ड दिया गया। इस विश्व कप में बुमराह ने आठ मैचों में 15 विकेट झटके और कई बार भारत को हारी हुई बाजी जिताई। वहीं, विराट कोहली को प्लेयर ऑफ मैच का पुरुस्कार दिया गया।

टी20 विश्व कप में कई ऐसे मौके आए जब लगा कि टीम इंडिया यह मैच हार जाएगी। तभी बुमराह गेंदबाजी के लिए आए और उन्होंने सामने वाली टीम के जज्बात के साथ-साथ मैच भी पलट दिया। 2022 में बुमराह चोटिल हुए थे और तब यह कहा जा रहा था कि बुमराह कभी वापसी नहीं कर पाएंगे। करीब एक साल बाद बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले वापसी की। 2023 में वनडे विश्व कप में जबरदस्त प्रदर्शन के बाद अब बुमराह ने टी20 विश्व कप में भी अपना जलवा बिखेरा।

प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने बुमराह सबसे ज्यादा विकेट चटकाने के मामले में फजलहक फारूकी से बस तीन विकेट पीछे रह गए। फारूकी और अर्शदीप ने 17-17 विकेट चटकाए। बुमराह 15 विकेट चटकाकर दक्षिण अफ्रीका के एनरिक नॉर्त्जे के साथ संयुक्त रूप से तीसरे नंबर पर रहे, लेकिन जो कारनामा उन्होंने किया, उसका विश्व कप के इतिहास में कोई जोड़ नहीं दिखता। बुमराह ने भारत की टी20 विश्व कप 2024 में खेले आठ मैचों में 29.4 ओवर गेंदबाजी की और 15 विकेट चटकाए, लेकिन जो सबसे बड़ी बात रही, वह उनका इकोनॉमी रेट रहा। उनका इकोनॉमी रेट 4.17 का रहा। कप्तान रोहित ने बुमराह को उस जगह इस्तेमाल किया जहां उन्हें विकेट की सबसे ज्यादा जरूरत थी। यह प्लान कामयाब हुआ। बुमराह का पाकिस्तान के खिलाफ स्पेल कौन भूल सकता है। पाकिस्तान को रन-अ-बॉल की दरकार थी और तभी बुमराह ने रिजवान को आउट कर पाकिस्तान को हारने के लिए मजबूर किया था। इसके बाद अफगानिस्तान, इंग्लैंड और फिर दक्षिण अफ्रीका को भी हारने पर मजबूर किया। बुमराह सिर्फ अमेरिका के खिलाफ मैच में कोई विकेट नहीं ले सके थे। इसके अलावा उन्होंने हर मैच में विकेट निकाला है।

बुमराह ने प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट अवॉर्ड जीतने के बाद कहा- मैंने शांतचित्त होकर खेलने की कोशिश की। हम इसी के लिए खेलते हैं और मैं सातवें आसमान पर हूं। मेरा बेटा यहां है, परिवार यहां है। हमने जीत के लिए बहुत मेहनत की थी। इससे बढ़कर कुछ नहीं। हम इस स्तर पर खेलने के लिए ही जीते हैं। बड़े मैच में आप और बेहतर करते हैं। मैं पूरे टूर्नामेंट में काफी स्पष्ट और शांतचित्त रहा। अब जीत के बाद जज्बात हावी हो सकते हैं। मैं आम तौर पर जज्बात जाहिर नहीं करता, लेकिन अब काम पूरा हो गया है। आज मेरे पास शब्द नहीं है। मैं मैच के बाद रोता नहीं, लेकिन अब भावनाएं हावी हो रही हैं। बुमराह ने 2022 में पीठ के निचले हिस्से में 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' के लिए सर्जरी कराई थी जिसके कारण वह आस्ट्रेलिया में 2022 टी20 विश्व कप में नहीं खेल पाए थे। वह करीब एक साल के लिए क्रिकेट से बाहर हो गए थे। लोग उनके तीनों प्रारूपों में खेलने की काबिलियत पर सवाल उठाने लगे थे। 2023 में बुमराह ने वापसी की और फिर एशिया कप, वनडे विश्व कप में हिस्सा लिया। बुमराह ने पिछले एक साल में तीनों प्रारूपों को मिलाकर कुल 67 विकेट झटके हैं और आलोचकों का मुंह बंद कर दिया।

संपादकीय

व्यावहारिक विवेक की परीक्षा

लोकसभा के सदस्यों से आवश्यक शिष्टता, शालीनता, मर्यादा, भाषाई संयम और व्यावहारिक विवेक की अपेक्षा करना तो लगभग संभव ही नहीं रह गया है। फिर भी उनके महत्त्वपूर्ण लोकतांत्रिक पद के अनुसार न्यूनतम शिष्टाचार की उम्मीद तो रहती ही है लेकिन इस बार नवनिर्वाचित सांसदों ने शपथ लेते समय शपथ ग्रहण मंच को जिस तरह से अपने-अपने एजेंडे का माध्यम बनाया वह जितना हतप्रभ करने वाला था उतना ही दुखद भी था। भाजपा सांसद अतुल गर्ग ने शपथ लेने के बाद 'श्यामाप्रसाद मुखर्जी, दीनदयाल उपाध्याय और नरेन्द्र मोदी जिंदाबाद' के नारे लगाए। तो बरेली के भाजपा सांसद छत्रपाल सिंह गंगवार ने जय हिन्दू राष्ट्रवाद का नारा लगाकर धर्मनिरपेक्षवादी विपक्ष को सुई चुभाने का काम किया।

इसी तरह अनेक नवनिर्वाचित सांसद एक के बाद एक अपने-अपने एजेंडे को सामने रखते हुए शपथ लेने के समय नारे लगाते देखे गए। लेकिन सबसे ज्यादा हैरत में डालने वाला शपथ ग्रहण ऑल इंडिया मजलिसे इत्तेहादुल मुसलमीन के नेता असद्दीन ओवैसी का रहा। उन्होंने विशुद्ध इस्लामिक तरीके से अल्लाह के नाम पर शपथ ली और शपथ लेने के बाद जो नारे लगाए वे थे जय भीम, जय मीम, जय तेलंगाना, जय फिलिस्तीन। प्रत्यक्षतः लग सकता है कि उनके ये नारे सत्ता पक्ष को चिढ़ाने के लिए थे। इन नारों से सत्ता पक्ष विशेषकर राष्ट्रवादी भाजपा का कुनबा चिढ़ा भी, गुस्सा भी हुआ और आक्रामक भी। लेकिन इस पक्ष के पास ऐसा कोई कानूनी औजार नहीं था जिससे इस तरह की शपथ लेने वाले, हर समय इस्लाम और मुसलमान की दुहाई देने वाले इस सांसद ओवैसी को दंडित जैसा कुछ किया जा सके। वस्तुतः ओवैसी जैसे मुस्लिम नेता ऐसी बातें भ्रमवश, चूकवश या सिर्फ उकसावे के लिए नहीं करते। इस तरह की चीजें उनके दूरगामी एजेंडे का हिस्सा होती हैं जिसमें इस्लामी वर्चस्व, धर्मनिरपेक्षता, लोकतांत्रिक व्यवस्थाएं और इनके नाम पर मिली अभिव्यक्ति की आजादी इनके मुख्य एजेंडे के लिए सिर्फ कवच मात्र होते हैं। इसलिए ओवैसी के नारों के निहितार्थ से केवल भाजपा, आरएसएस कुनबे को कम, बल्कि कथित धर्मनिरपेक्षतावादियों को ज्यादा चिंतित होना चाहिए और उन्हें इस तरह की स्थितियों को गंभीरता से लेना चाहिए। उन्हें समझना चाहिए कि इनमें भविष्य की जिन टकराहटों की आहट छिपी हुई है, वह इस देश में सांप्रदायिक सद्भाव के स्वप्न को कभी पूरा नहीं होने देगी।

समय और परिस्थिति के अनुरूप हो रही सियासत

सियासत होती ही ऐसी है कि कोई भी सीधी राह नहीं चलता। एक यदि आरएसएस को अपवाद मान लिया जाए तो चाहे वे समाजवादी रहे हों या वामपंथी या फिर कांग्रेस जैसे नरम दक्षिणपंथी ही क्यों न हो, सभी अपनी राह समय और परिस्थितियों के अनुसार बदलते रहे हैं।

इनमें अंबेडकरवादी आंदोलन से उपजे राजनीतिक दल भी शामिल हैं। चूंकि वर्तमान में देश में दलित समुदायों को सबसे अधिक बहुजन समाज पार्टी प्रिय है, लिहाजा यह बेहद मौजूं विषय है कि मायावती अपनी राजनीति में किस तरह की करवटें बदल रही हैं। हाल में उन्होंने अपने भतीजे आकाश आनंद को राष्ट्रीय समन्वयक बनाकर फिर से अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है जबकि लोक सभा चुनाव के प्रारंभिक चरणों में उन्होंने आकाश आनंद को न केवल राष्ट्रीय समन्वयक, बल्कि अपने उत्तराधिकार की गद्दी से भी उतार दिया था। तब मायावती ने कहा था कि आकाश अभी अपरिपक्व हैं। दरअसल, इस बार के लोक सभा चुनाव के पहले बसपा को लेकर उसके कैडर में ऊहापोह की स्थिति रही। वजह यह कि मायावती ने अंतिम समय तक अपने पत्ते नहीं खोले कि वह इंडिया गठबंधन में शामिल होंगी या एनडीए गठबंधन में। अंतिम समय में उन्होंने अकेले ही चुनाव लड़ने का निर्णय लिया।

लेकिन जिस तरह से उन्होंने उत्तर प्रदेश, जहां लोक सभा की कुल 80 सीटें हैं, में अपने उम्मीदवारों, जिनमें अधिकांश मुसलमान थे, का चयन किया तो उनके कैडर मतदाताओं को भी लगने लगा कि मायावती खास रणनीति के तहत चुनाव लड़ रही हैं। हालांकि पहला मौका नहीं था जब मायावती ने दलित और अल्पसंख्यक मतदाताओं पर यकीन किया। इसके पहले भी वह इस रणनीति को आजमाती रही हैं। लेकिन तब होता यह था कि ओबीसी का एक हिस्सा उनके साथ खड़ा रहता था। इसके पीछे वजह यह होती थी कि पिछड़ा वर्ग के अनेकानेक नेता तब बसपा के हिस्सा थे। इनमें स्वामी प्रसाद मौर्य से लेकर बाबू सिंह कुशवाहा आदि नेता भी थे। इस कारण होता यह था कि दलित, अल्पसंख्यक और गैर-यादव पिछड़ा वर्ग के साथ होने की वजह से बसपा या कहिए कि मायावती की राजनीति चलती रहती थी।

लेकिन धीरे-धीरे गैर-यादव पिछड़ा वर्ग बसपा से दूर होने लगा।

यही वजह रही कि 2007 में उत्तर प्रदेश के विधानसभा चुनाव में अपने बूते सरकार बनाने वाली मायावती पिछली बार हुए विधानसभा चुनाव में केवल एक सीट और हाल में संपन्न लोक सभा चुनाव में एक सीट भी जीतने में नाकाम रहीं, लेकिन इस बार के चुनाव के पहले तमाम विपरीत परिस्थितियों के बावजूद बसपा के समर्थकों के मन में एक आस थी। यह आस आकाश आनंद के रूप में थी। आस की वजह यह थी कि मायावती ने एक नौजवान को अपना उत्तराधिकारी बनाया था और उनके समर्थकों को लगने लगा था कि अब यह पार्टी फिर से जीवित हो सकेगी। इसी विश्वास और कामना के साथ आकाश आनंद ने जब पश्चिमी उत्तर प्रदेश में अपनी पार्टी के लिए चुनावी अभियान की शुरुआत की तब उनके समर्थकों में जोश भर गया। बड़ी संख्या में लोग उनकी रैलियों में जुटने लगे।

एकबारगी लगने लगा कि बसपा भाजपा की 'बी' टीम नहीं है। इसकी वजह भी थी। और वजह यह थी कि आकाश आनंद ने केंद्र में सत्तासीन भाजपा को आड़े हाथों लेना शुरू किया। उन्होंने बेरोजगारी, महंगाई और देश में बढ़ रही नफरत के लिए भाजपा की आलोचना खुले मंच से की। आकाश आनंद के इस रुख ने देश भर के राजनीतिक विश्लेषकों का ध्यान अपनी ओर खींचा। बसपा के कैडर समर्थकों को भी लगने लगा कि यदि यही दिशा और संवेग कायम रहा तो जो गैर-यादव पिछड़ा वर्ग है और जो मुसलमान हैं, वे बसपा को अपना समर्थन देंगे। लेकिन इससे पहले कि आकाश आनंद की यह रणनीति विस्तार पाती, मायावती ने उन्हें उत्तराधिकारी की गद्दी से नीचे उतार दिया। उनके द्वारा अचानक लिए गए इस फैसले को उनके कैडर समर्थकों ने भी इसी रूप में माना कि शायद मायावती को आकाश आनंद द्वारा भाजपा सरकार की आलोचना पसंद नहीं है, और यह इसलिए कि वह भाजपा के दबाव में हैं।

नतीजा यह हुआ कि चंद्रशेखर आजाद जैसे युवा दलित नेता ने पहली ही बार में नगीना लोक सभा का चुनाव जीत लिया और मायावती बुरी तरह हार गई। मायावती के उपरोक्त कदम से सबसे अधिक निराश गैर-जाटव दलित, गैर-यादव पिछड़े और मुसलमान हुए, लेकिन लोक सभा चुनाव के बाद मायावती ने अपने फैसले को दुबारा क्यों पलटा, इस बारे में हालांकि उनकी ओर से कोई सफाई नहीं दी गई है, लेकिन सियासी गलियारे में सभी जानते हैं कि लोक सभा चुनाव में जीत मिलने के बाद चंद्रशेखर की पकड़ दलित मतदाताओं पर तेजी से बढ़ने लगी है।

हाल में चंद्रशेखर ने सार्वजनिक रूप से यह बयान भी दिया था कि यदि आकाश आनंद चाहें तो उनकी पार्टी की सदस्यता ग्रहण कर सकते हैं। माना जा रहा है कि चंद्रशेखर के इस सार्वजनिक आमंत्रण ने मायावती को अपना फैसला बदलने पर मजबूर कर दिया। उन्हें भय सताने लगा कि यदि आकाश चंद्रशेखर के साथ चले गए तब बसपा के कैडर समर्थकों का एक बड़ा हिस्सा उनके साथ हो जाएगा और बदली हुई परिस्थितियों के मद्देनजर यह नामुमकिन भी नहीं है। इसे ऐसे देखें कि अखिलेश यादव उत्तर प्रदेश में पीडीए यानी पिछड़ा, दलित और अल्पसंख्यक की राजनीति कर रहे हैं, और इस बार लोक सभा चुनाव में उन्होंने इसी फार्मूले के आधार पर भाजपा को 33 सीटों पर समेट दिया। अब चूंकि उत्तर प्रदेश में विधानसभा चुनाव की बारी है तो अखिलेश अपने इसी फार्मूले को आजमाएंगे। उनका पूरा जोर गैर-यादव ओबीसी, दलितों और अल्पसंख्यकों को साधने पर होगा, जो पूर्व में एक तरह से बसपा की रणनीति हुआ करती थी। ऐसे में मायावती के पास खुद को और अपनी पार्टी को प्रासंगिक बनाए रखने के लिए पहल लेनी ही थी। इसलिए उन्होंने आकाश को फिर से जिम्मेदारी सौंपी है। अब देखना दिलचस्प होगा कि आकाश आनंद मायावती के उत्तराधिकारी के रूप में अपनी दूसरी पारी में कितना प्रभाव डाल पाते हैं, और यह भी कि मायावती अखिलेश के पीडए फार्मूले का काट ढूंढ़ती रहेंगी या फिर भाजपा के खिलाफ उठ खड़ी होंगी।

संविधान और संसद के लिए खतरनाक प्रवृत्ति

आने वाले वर्षों में कोई सांसद 'जय अमेरिका', 'जय पाकिस्तान' या 'जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस ख़तरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फ़ौरन रोक लगानी चाहिए। संसद में चाहे जय श्री राम का नारा लगे और चाहे अल्लाह हो अकबर का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए।

लोकसभा की सदस्यता की शपथ लेते समय हैदराबाद के सांसद असदुद्दीन ओवैसी ने एक ऐसा नारा लगाया जिस पर पूरा देश चौक गया। उन्होंने 'जय भीम', 'जय मीम', 'जय तेलंगाना' और 'जय फ़िलिस्तीन' का नारा लगाया। जहां तक 'जय भीम' और 'जय तेलंगाना' जैसे नारों की बात है तो ये देश के सीमाओं के दायरे में आते हैं। पर एक दूसरे देश की जयकार बोलना, वो भी संसद के भीतर, ये किसी के गले नहीं उतरा। ओवैसी ने एक बहुत ही ग़लत परंपरा की शुरुआत की है। आनेवाले वर्षों में कोई सांसद 'जय अमेरिका', 'जय पाकिस्तान' या 'जय चीन' का भी नारा लगा सकता है। इस तरह भारत की संसद संयुक्त राष्ट्र का अखाड़ा जैसी बन जाएगी। इसलिए इस ख़तरनाक प्रवृत्ति पर लोकसभा और राजसभा के अध्यक्षों को फ़ौरन रोक लगानी चाहिए।

सब जानते और मानते हैं कि भारत एक धर्म निरपेक्ष राष्ट्र है। धर्म निरपेक्ष का मतलब नास्तिक होना नहीं है। बल्कि इसका भाव है, सर्व धर्म समभाव, यानी हर धर्म के प्रति सम्मान का भाव। पर देखने में यह आया है कि भारत में रहने वाले मुसलमानों और हिंदुओं के कुछ नेता सांप्रदायिकता को भड़काने के उद्देश से धार्मिक उन्माद बढ़ाने वाले नारे लगवाते हैं। जिससे उनके वोटों का ध्रुवीकरण हो। जहां एक तरफ़ बरसों से मुसलमानों को अल्पसंख्यक बता कर उनके पक्ष में ऐसे काम किये गये जो संविधान की मूल भावना के विरुद्ध थे। जैसे रमज़ान में सरकारी स्तर पर इफ़्तार की दावतें आयोजित करना। अगर ऐसी दावतें अन्य धर्मों के उत्सवों पर भी की जातीं तो किसी को बुरा नहीं लगता। पर ऐसा नहीं हुआ। नतीजा यह हुआ कि हिंदुत्व की राजनीति करने वालों को अपने समर्थकों को उकसाने का आधार मिल गया। शायद इसी का परिणाम है कि पिछले दस वर्षों में भाजपा के सांसदों और विधायकों ने संसद और विधान सभाओं में ज़ोर-ज़ोर से व सामूहिक रूप से धार्मिक नारे लगाना शुरू कर दिया। इसका परिणाम ये हो रहा है कि अब मुसलमानों के बीच भी उत्तेजना और आक्रमकता पहले से ज़्यादा बढ़ गई है। जबकि ये एक ख़तरनाक प्रवृत्ति है, जिसे सख़्ती से रोका जाना चाहिए वरना समाज में गतिरोध और हिंसा बढ़ेगी। वैसे इस तरह का वातावरण असली मुद्दों से ध्यान हटाने के लिए भी तैयार किया जाता है। इसलिए समझदार हिंदू और मुसलमान अपने धर्म के प्रति आस्थावान होते हुए भी इस हवा में नहीं बहते हैं।

हिंदुत्व का समर्थक कोई पाठक मुझसे तर्क कर सकता है कि हिंदुस्तान में भाजपा के सांसदों और विधायकों को अगर हिन्दुवादी नारे लगाने से रोका जाएगा तो क्या हम फ़िलिस्तीन में जाकर ये नारे लगाएँगे? मेरा उत्तर है कि मैं एक सनातन धर्मी हूँ और मेरा परिवार और पूर्वज शुरू से आरएसएस से जुड़े रहे हैं। लेकिन पिछले 30 वर्षों में हिंदुत्व की राजनीति का जो चेहरा मैंने देखा है उससे मन में कई सवाल खड़े हो गये हैं। जब देश की आबादी 141 करोड़ है, इनमें से 97 करोड़ वोटर हैं। उसमें से केवल 36.6 प्रतिशत वोटरों ने ही इस चुनाव में भाजपा को वोट दिया है। मतलब ये कि कुल 111 करोड़ हिंदुओं में से केवल 35 करोड़ हिंदुओं ने बीजेपी को वोट दिया। तो भाजपा सारे हिन्दू समाज के प्रतिनिधित्व का दावा कैसे कर सकती है? चूँकि देश की आबादी में 78.9 प्रतिशत हिंदू हैं और उनमें से एक छोटे से हिस्से ने बीजेपी को वोट दिया है। मतलब बहुसंख्यक हिंदू भाजपा की नीतियों से सहमत नहीं हैं।

हम सब मानते हैं कि हमारा धर्म सनातन धर्म है। जिसका आधार है वेद, पुराण, गीता, भागवत, रामायण आदि ग्रंथ। क्या भाजपा इनमें से किसी भी ग्रंथ के अनुसार आचरण करती है? अगर नहीं तो वे कैसे हिंदू धर्म के पुरोधा होने का दावा करती है? हमारे धर्म के चार स्तंभ हैं, उन चारों पीठों के शंकराचार्य जिन्हें आदि शंकराचार्य जी ने सदियों पहले भारत के चार कोनों में स्थापित किया था। क्या भाजपा इन चारों शंकराचार्यों को यथोचित सम्मान देती है और इनके ही मार्ग निर्देशन में अपनी धार्मिक नीति बनाती है? अगर नहीं तो फिर बीजेपी हिंदू धर्म के पुरोधा कैसे हुए?

सनातन धर्म में साकार और निराकार दोनों ब्रह्म की उपासना स्वीकृत है। इस तरह उपासना के अनेक मार्ग व अधिकृत संप्रदाय हैं। इसलिए पूरे देश में व्याप्त सनातन धर्म का कोई एक झंडा या एक जय घोष नहीं होता। जैसे 'जय श्री राम' किसी अधिकृत संप्रदाय का जयघोष नहीं है। प्रभु श्री राम को लोग 'जय सिया राम', 'राम-राम' 'जय रामजी की' आदि अनेक संबोधनों से पुकारते हैं। 'जाकी रही भावना जैसी हरि मूरत देखी तिन तैसी'। फिर केवल 'जय श्री राम' धार्मिक उदघोष कैसे हुआ? ऐसी तमाम अन्य सब बातों को भी देख सुनकर कर यह स्पष्ट होता है कि भाजपा का हिंदुत्व सनातन धर्म नहीं है। ये इनकी राजनीति के लिये एक अस्त्र मात्र है। इसका अर्थ यह हुआ कि संसद में चाहे जय श्री राम का नारा लगे और चाहे अल्लाह हो अकबर का दोनों ही राजनैतिक उद्देश्य से लगाए जाने वाले नारे हैं जिनका उद्घोष संसद में नहीं होना चाहिए। जय फ़िलिस्तीन का नारा तो और भी ख़तरनाक प्रवृत्ति को दर्शाता है। आशा की जानी चाहिए कि संसद के दोनों सदनों के अध्यक्ष इस विषय पर गंभीरता से विचार करके संविधान और संसद की गरिमा बचाने का काम करेंगे।

शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी

भारत में नई सरकार के गठन के बाद भारत की द्विपक्षीय राजकीय यात्रा पर बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना आना कई मायनों में सुकूनकारी है।

उनकी यात्रा का उद्देश्य दोनों देशों के दरम्यान के घनिष्ठ संबंधों को और आगे बढाना है। दोनों देशों ने समुद्र क्षेत्र समेत कई अन्य अहम क्षेत्रों में संबंधों को बढ़ावा देने के लिए दस समझौतों पर हस्ताक्षर किए हैं, जिसमें डिजिटल क्षेत्र में संबंध प्रगाढ़ करने व हरित साझेदारी के साथ समुद्र विज्ञान, स्वास्थ्य व चिकित्सा, आपदा प्रबंधन व मत्स्य पालन भी इसमें शामिल है।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा नए क्षेत्रों में सहयोग के वास्ते भविष्य के लिए एक दृष्टिकोण तैयार किया है, जिससे दोनों देशों के युवाओं को लाभ मिलेगा। हसीना ने भारत को विसनीय मित्र बताते हुए 1971 में बांग्लादेश की स्वतंत्रता में भारत सरकार व भारतीयों के योगदान को याद किया। भारत की पड़ोसी पहले की नीति के तहत बांग्लादेश महत्त्वपूर्ण भागीदार है। दोनों देश जल्द नई रेल सेवा व बस सेवा भी चालू करने पर सहमत हैं। पंद्रह दिनों के भीतर हसीना का यह दूसरा भारत दौरा है।

कहा जा रहा है, इस करीबी से चीनी सरकार चिंतित हो सकती है। हालांकि बांग्लादेश के चीन के साथ भी अच्छे संबंध हैं। वह कच्चे माल के मामले में उसका प्रमुख व्यापारिक साझेदार है। इसके बाद हसीना चीन भी जा रही हैं, परंतु भारत ने भी पिछले आठ वर्षों में बांग्लादेश के बुनियादी ढांचे के विस्तार में मदद के लिए आठ मिलियन डॉलर का कर्ज दिया है। 2022-23 के दौरान दोनों देशों के दरम्यान 15.9 बिलियन डॉलर का व्यापार हुआ, जिसके मौजूदा वर्ष में तीव्र गति से बढने की उम्मीद है। गौर करने वाली बात है कि बांग्लादेश भारत का सबसे बड़ा डेवलपमेंट पार्टनर भी है। हालांकि दोनों ही देश जलवायु परिवर्तन के बदलावों के चलते जनसांख्यकीय व आर्थिक उथल-पुथल झेल रहे हैं।

मतदाताओं ने मोदी को बदलने का मैसेज दिया

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की तीसरी शपथ को बीस दिन हो गए है। केबिनेट, संसद की बैठक, स्पीकर चुनाव और राष्ट्रपति का अभिभाषण सब हो गया है। तो सोचे, क्या आपको कोई एक भी क्षण, एक भी घटना, एक भी चेहरा, एक भी जुमला और एक भी ऐसा परिवर्तन दिखलाई दिया जिससे लगा मानों ताजा हवा का झौका हो। क्या केबिनेट में कुछ नया, ताजा दिखा? क्या प्रधानमंत्री दफ्तर, सरकार की आला नौकरशाही में कोई परिवर्तन झलका? ऐसी कोई नई प्राथमिकता, नया मुद्दा, नया विषय प्रधानमंत्री या राष्ट्रपति के मुंह से निकला जिससे लगे कि जिन बातों (रोजगार, महंगाई, बेहाल जिंदगी, नौजवान आबादी, किसान, मजदूर, मध्यवर्ग आदि) पर मतदाताओं ने मोदी के चार सौ पार के नारे को नकारा, तो उससे सबक सीख कर जिंदगी के रियल मसलों पर मोदी 3.0 में नया कुछ बनने की संभावना है?

इस बात को इस तरह भी रख सकते है कि मतदाताओं ने नरेंद्र मोदी को बदलने का मैसेज दिया, विपक्ष में दम भरा तो शासन और राजनीति में आम रायसे, सबसे सलाह करके, सबसे पूछ कर निर्णय का नया सिलसिला बनना चाहिए था या नहीं? उस नाते क्या नरेंद्र मोदी को अपने को रिइंवेंट नहीं करना था? भाषण कम करके, विपक्ष से पंगा कम ले और सर्वानुमति बना कर राज करने का नया अंदाज। मैं, मैं भगवान, मैं महान की बजाय हम, एनडीए, भाजपा और पक्ष-विपक्ष सब एक ही देश के अंशधारी है, यह सोचते हुए सबका साझा,सबका साथ, और सबके विकास की जुमलेबाजी को नई तरह से गढ़ा जाना चाहिए था। मतलब प्रधानमंत्री खुद ही विपक्ष से बात करके, विपक्षी नेताओं को बुलाकर आम राय से ऐसा स्पीकर बनाते जिससे संसद की आभा बढ़ती। बुद्धी, मेघा, अंग्रेजी-हिंदी की भाषागत प्रवीणताओं और व्यवहार से वैश्विक जमात, मंच और संगठनों में भारत की उपस्थिति मौजूदगी हो तो दुनिया को लगे कि सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश का स्पीकर कैसा भव्य व्यक्तित्व लिए हुए है।

क्या आपको लगता है ऐसी कोई भी चिंता या दिल-दिमाग में सोच का परिवर्तन नरेंद्र मोदी3.0 में आया है? असलियत में बीस दिनों में नरेंद्र मोदी ने हर वास्तनिकता से मुंह चुराया है। चुनाव नतीजों के बाद नरेंद्र मोदी ने न तो भाजपा के पदाधिकारियों से सीधे-सीधे बात की और न भाजपा संसदीय दल की बैठक बुला कर उसमें नतीजों और नए नेता के चुनाव पर विचार किया। न ही संघ परिवार के पदाधिकारियों को बुला कर उनके साथ विचार, सलाह और परस्पर विश्वास बनाने जैसी कोई पहल की। विपक्ष और विपक्ष की सबसे पार्टी कांग्रेस के अध्यक्ष से सीधी बात करने की हिम्मत नहीं दिखाई। राजनाथसिंह को आगे करके सहयोगी दलों और विपक्षी नेंताओं से दिखावे का सलाह-मशविरा था। किया वही जो मन में था।सभी निर्णय उसी ढर्रे में जो पिछले कार्यकाल से चला आ रहा है।

इसलिए भाजपा के भीतर या सरकार में या संसद में वही होगा जो पहले होता आया है। नई सरकार का पालने में बीस दिनों के लक्षण वही है जो दस सालों का ढर्रा है। यह स्वभाविक है इसलिए क्योंकि नरेंद्र मोदी के लिए तीसरी दफा शपथ लेना ही परम संतोष याकि यह लक्ष्य प्राप्त है देखों, देखों मैंने जवाहरलाल नेहरू की तरह लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री बनने का कीर्तिमान बना लिया। मुझे इतिहास वैसे ही याद रखेगा जैसे नेहरू को रखता है!मतलब जैसे गांव, पंचायत में होता है कि यदि कोई सरंपच, लगातार दस-पंद्रह साल लगातार पद पर बना रहे तो वह और उसका परिवार अपने को इलाके का राजा हुआ मानता है और एसडीओ, बीडीओं तथा लोग सब उसके अंहम के कसीदे काढ़ते है। वैसे ही मनोभाव में नरेंद्र मोदी अपने प्रधानमंत्रित्व का तीसरा टर्म इस सोच में पूरा करेंगे कि जब तीसरी बार बन गए है तो ऐसा होना उनके 2014 से अपनाएं तौर-तरीकों और शासन की बदौलत ही तो है।

महंगाई से लड़ाई : रेपो दर में बढ़ोत्तरी से जीत की बंधी उम्मीदें

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधने के लिए मौद्रिक नीति समिति ने अपनी समीक्षा में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के दर पर यथावत रखा है। इसके पहले फरवरी, 2023 में इसमें बढ़ोतरी की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है।

जब रेपो दर अधिक होता है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे न होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है और वस्तुओं व उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में कमी आती है, जिससे महंगाई में गिरावट दर्ज की जाती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है और इसके लिए भी रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दें।

मौजूदा समय में महंगाई दर सरकार और रिजर्व बैंक के लिए चिंता का सबब है। केयर एज रेटिंग के अनुसार कर्ज दर के नरम नहीं होने के बावजूद वित्त वर्ष 2023-24 में ऋण वृद्धि दर 16 प्रतिशत के आसपास रही है, और वित्त वर्ष 2024-25 में इसके 14 से 14.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। ऐसी स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सकारात्मक है। हालांकि, इसे अपवाद वाली स्थिति कहा जा सकता है। बहरहाल, कर्ज देने की रफ्तार में तेजी बनी रहने के कारण आर्थिक गतिविधियों और विकास दर, दोनों में तेजी आ रही है।

इसी वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2023-2024 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। वहीं, वित्त वर्ष 2023-24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो रिजर्व बैंक के अनुमान से 1.2 प्रतिशत अधिक है यानी रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत लगाया था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार विनिर्माण और खनन के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन से आलोच्य अवधि में विकास दर तेज रही। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वित्त वर्ष 2022-23 में माइनस 2.2 प्रतिशत रही थी। खनन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023-24 के दौरान 7.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2022-23 में 1.9 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खुदरा महंगाई अभी भी चिंता की बात है।

मई महीने में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जबकि फरवरी, 2023 में यह 3.85 रही थी। वहीं, अप्रैल 2024 में यह 1.26 प्रतिशत रही जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। मार्च, 2024 में यह 0.53 रही और फरवरी महीने में 0.20 प्रतिशत।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 12 जून, 2024 को खुदरा महंगाई का आंकड़ा जारी किया था, जिसके अनुसार मई महीने में खुदरा महंगाई 4.75 प्रतिशत रही जो 12 महीने का निचला स्तर था। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई में कुछ कमी आई थी, लेकिन वह मई महीने से थोड़ी अधिक 4.83 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में खुदरा महंगाई 4.81 प्रतिशत थी जबकि जुलाई, 2023 में यह 4.44 प्रतिशत रही थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर या खरीदने की क्षमता से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपये का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा।

इसलिए महंगाई के स्तर के अनुरूप निवेशकों को निवेश करना चाहिए अन्यथा उन्हें प्रतिफल कम मिलेगा। महंगाई का बढ़ना-घटना उत्पाद की मांग-आपूर्ति पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो ज्यादा उत्पाद खरीदेंगे और ज्यादा उत्पाद खरीदने से मांग बढ़ेगी और मांग के मुताबिक आपूर्ति नहीं होने पर उत्पादों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह, बाजार महंगाई के दुष्चक्र में फंस जाएगा। बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या उत्पाद की कमी महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर मांग कम होगी और आपूर्ति ज्यादा होगी तो महंगाई कम होगी। ग्राहक खुदरा बाजार से सामान खरीदते हैं और बाजार में मौजूद उत्पादों की कीमत में हुए बदलाव को मापने का काम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) करता है।

उत्पाद और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाया जाता है, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, उत्पादों की कीमतों, निर्माण की लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जो खुदरा महंगाई दर को तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में लगभग 300 उत्पाद ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई दर तय होती है। इस तरह, किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम होती है। फिर, उनकी बिक्री कम हो जाती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि। इससे आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं, और विकास की गति बाधित होती है।

दुनिया की वो जगह जहां हर ओर बर्फ, केवल 2 मिनट नहाते हैं लोग

धरती पर एक महाद्वीप ऐसा भी है, जहां जाना तो हर कोई चाहता है, लेकिन वहां पहुंचना सबके वश की बात नहीं है. हम बात कर रहे हैं अंटार्कटिका महाद्वीप की. ये धरती पर मौजूद सभी सात महाद्वीपों में सबसे ठंडा है. इसका 98 फीसदी हिस?सा 12 महीने बर्फ की मोटी चादर से ढका रहता है. अंटार्कटिका में वैसे तो आबादी न के बराबर है. यानी कोई स्थायी मानव आबादी नहीं है. जब गर्मियां होती हैं तो अंटार्कटिका की जनसंख्या लगभग 5,000 होती है. लेकिन सर्दियों के दौरान यह घटकर 1000 तक रह जाती है. ये वो लोग हैं जो यहां अलग-अलग देशों से स्टडी करने आते हैं. इसीलिए अंटार्कटिका में लोगों का आना-जाना लगा रहता है. पूरे साल यहां मानव की मौजूदगी रहती है.

कैसा होता है मौसम

धरती पर अलग-अलग ऋतुएं हैं. आमतौर पर हम चार मौसमों के आदी हो चुके हैं - सर्दी, वसंत, ग्रीष्म और शरद ऋतु. लेकिन अंटार्कटिका महाद्वीप पर केवल दो मौसम होते हैं, सर्दी और गर्मी. अंटार्कटिका में गर्मी और सर्दी विपरीत समय में होती है. अंटार्कटिका में गर्मी अक्टूबर में शुरू होती है और मार्च में समाप्त होती है. जबकि सर्दी मार्च में शुरू होती है और अक्टूबर तक रहती है. जैसे ही पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है, अंटार्कटिक में मौसम बदल जाता है. पृथ्वी एक ग्लोब है जो एक धुरी पर घूमती है. वह धुरी झुकी हुई है. चूंकि यह झुका हुआ है, अंटार्कटिका और दक्षिणी ध्रुव गर्मियों में सूर्य की ओर और सर्दियों में सूर्य से दूर रहते हैं.

धरती पर अलग-अलग ऋतुएं हैं. आमतौर पर हम चार मौसमों के आदी हो चुके हैं - सर्दी, वसंत, ग्रीष्म और शरद ऋतु. लेकिन अंटार्कटिका महाद्वीप पर केवल दो मौसम होते हैं, सर्दी और गर्मी. अंटार्कटिका में गर्मी और सर्दी विपरीत समय में होती है. अंटार्कटिका में गर्मी अक्टूबर में शुरू होती है और मार्च में समाप्त होती है. जबकि सर्दी मार्च में शुरू होती है और अक्टूबर तक रहती है. जैसे ही पृथ्वी सूर्य के चारों ओर घूमती है।

पूरे 6 महीने रहता है यहां अंधेरा

अंटार्कटिका महाद्वीप पर गर्मियों में लगातार छह महीने उजाला रहता है. वहीं, सर्दियों में छह महीने तक हर तरफ अंधेरा छाया रहता है. इसे अक्सर मध्यरात्रि सूर्य वाला अंटार्कटिक डे कहा जाता है. आप दक्षिणी ध्रुव पर आधी रात को बाहर अखबार पढ़ सकेंगे. सर्दियों में जब पूरे दिन अंधेरा रहता है तो इसे अंटार्कटिक नाइट कहा जाता है. दोपहर 12:00 बजे भी, 80 डिग्री दक्षिण में काफी अंधेरा रहता है.

सर्दियों में रहता है कितना तापमान

क्योंकि सूरज कभी उगता नहीं है, अंटार्कटिक की सर्दियां बहुत ठंडी होती हैं. सर्दियों के दौरान अंटार्कटिका में औसत तापमान -34.4 डिग्री सेल्सियस होता है. गर्मियों में भी, अंटार्कटिका वास्तव में ठंडा होता है. तटों और छोरों को छोड़कर, तापमान शायद ही कभी शून्य डिग्री सेल्सियस से ऊपर होता है.

दो मिनट का बॉथ

अंटार्कटिका के साउथ शेटलेंड द्वीप में मौजूद अनुसंधान केंद्रों में शोध करने के लिए अलग-अलग देशों से शोधकर्ता आते हैं. इनके लिए यहां पर नहाना एक बड़ी चुनौती है. दक्षिण ध्रुव स्टेशन पर गर्मियों में रहने वाले निवासियों को दो मिनट ही नहाने को मिलता है. वो भी हफ्ते में दो बार. यानी बहुत ज्यादा पानी इस्तेमाल नहीं कर सकते. नहाते समय गर्म पानी और ठंडा पानी तब तक चालू करते हैं जब तक कि तापमान उनके मन मुताबिक न हो जाए और फिर शॉवर में चले जाते हैं. पानी के लिए पहले बर्फ को इकट्ठा किया जाता है. फिर उसे बड़े टैंकों में पिघलाते हैं और फिर पानी को सामान्य जल प्रणालियों में पंप किया जाता है. कई मेहमान नहाने के लिए वेट वाइप्स जैसे पहले से गीले तौलिये लाते हैं. फिर उससे शरीर को अच्छी तरह से पोंछ लेते हैं.

एक दिन हूबहू इंसान जैसे दिखेंगे रोबोट! यकीन न...

जापानी रिसर्चर्स ने नई खोज रोबोटिक्स की दुनिया में तहलका मचा सकती है. उन्होंने रोबोट्स के चेहरों पर जीवित त्वचा की कोशिकाएं लगाने का तरीका ढूंढ लिया है. यह खोज टोक्यो यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने की है. नई तकनीक के जरिए, रोबोट्स इंसानी हाव-भावों को कहीं बेहतर ढंग से दर्शा पाएंगे. रिसर्चर्स ने एक रोबोट को मुस्कुराते हुए दिखाया भी. अभी देखने पर यह भले ही भयानक लगे, इससे भविष्य के रोबोट्स की पहली झलक मिलती है.

रोबोट्स को हूबहू इंसान जैसा दिखाने की दिशा में यह खोज अहम है. इस रिसर्च टीम का नेतृत्व इंस्टीट्यूट ऑफ इंडस्ट्रियल साइंस के प्रोफेसर शोजी ताकेउची कर रहे थे. ताकेउची ने पहले कोलेजन के इस्तेमाल से %जीवित% रोबोट त्वचा बनाई थी. कोलेजन मानव त्वचा में पाए जाने वाले रेशेदार प्रोटीन को कहते हैं. नई तकनीक के लिए वैज्ञानिकों ने इंसानी त्वचा के लिंगामेंट्स की संरचना से प्रेरणा ली. कोलेजन जेल को रोबोट की सतह पर मौजूद छोटे ङ्क आकार के छेदों पर कोलेजन जेल लगाकर %एंकर्स% बनाए. ताकेउची का कहना है कि नया तरीका %सीमलेस और टिकाऊ जुड़ाव% देता है.इंसानी त्वचा के लचीलेपन और मजबूत जुड़ाव वाले तरीका रोबोटिक त्वचा को बिना फटे या नुकसान पहुंचाए मेकेनिकली मूव करने लायक बनाता है. ताकेउची ने कोलेजन का यूज कर जो जीवित रोबोट त्वचा बनाई थी, वह रोबोटिक उंगली को बिना टूटे मोड़ने लायक बनाती है. रिसर्चर्स के मुताबिक, नया तरीका रोबोट्स को अपनी त्वचा खुद सही करने देता है।

हम इंसानों के बीच ही छुप कर रह रहे हैं एलियंस! बड़ा खुलासा!

एलियन्स यानी दूसरी दुनिया के जीव हम इंसानों के बीच पृथ्वी पर छिपकर रह रहे हैं, यदि ये बात आपको पता चले तो आपको कैसा लगेगा? निश्चित तौर पर आप भौंचक्के रह जाएंगे. हार्वर्ड यूनिवर्सिटी ने हाल ही में इस बाबत एक रिपोर्ट पेश की है जिसके मुताबिक ऐसा ही है. यह 'क्रिप्टोटेरेस्ट्रियल' प्राणियों की ऐसी हाइपोथीसिस है जिसके तहत दो चीजें हो सकती हैं- एक या तो एलियन छिपकर रह रहे हैं या फिर कुछ और बुद्धिमान समूह या संस्थाएं गुप्त रूप से रह रही हैं. पिछले सितंबर में, सैकड़ों यूएफओ देखे जाने की नासा की जांच में पाया गया कि इस बात का कोई सबूत नहीं है कि ऐसी घटनाओं के पीछे एलियंस थे. हालांकि, बीबीसी की एक रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी अंतरिक्ष एजेंसी उस संभावना से इंकार नहीं करती. नासा के एडमिनिस्ट्रेटर बिल नेल्सन ने कहा कि दुनिया की सबसे बड़ी अंतरिक्ष एजेंसी न केवल संभावित यूएपी घटनाओं पर शोध करने का बीड़ा उठाएगी, बल्कि अधिक

ट्रांसपेरेंट डेटा भी शेयर करेगी.इस नामी विश्वविद्यालय के ह्यूमन फ्लोरिशिंग प्रोग्राम के इस अध्ययन में कई अनुमान वाले सिद्धांतों पर प्रकाश डाला गया है. इसमें प्राचीन मानव सभ्यताओं, गैर मानव प्रजातियां जो काफी अडवांस्ड हैं, और यहां तक ??कि परियों और कल्पित बौने जैसी रहस्यमयी बातों (कल्पनाओं/सिद्धांतों) के अस्तित्व पर भी स्टडी में जिक्र किया गया है.डॉ. एमिली रॉबर्ट्स के नेतृत्व में यह शोध दल काम कर रहा था. इसने ऐतिहासिक तथ्यों, लोककथाओं का विश्लेषण किया. मकसद था क्रिप्टोटेरेस्ट्रियल अनुमानों यानी परिकल्पनाओं के हो सकने की संभावना को जांचना और अज्ञात हवाई घटना (यूएपी) जैसी आधुनिक घटनाओं से उनके संबंध के बारे में पता लगाने की कोशिश करना. जर्नल साइंटिफिक रिपोर्ट्स में प्रकाशित अध्ययन में पूरे इतिहास में असामान्य कंकाल अवशेषों की कथित खोज, कथित भूमिगत सभ्यताओं और अन्य प्राणियों के साथ मुठभेड़ जैसे मामलों की समीक्षा की गई. उदाहरण के लिए चिली का अटाकामा कंकाल को लेकर शुरू में अनुमान लगाया गया था कि यह मूल रूप से अलौकिक है, लेकिन बाद में आनुवंशिक उत्परिवर्तन के साथ एक मानव भ्रूण के रूप में पहचाना गया.

अंटार्कटिका और समुद्र की गहराई जैसे स्थानों में छिपी हुई सुविधाओं के दावों ने यूएफओ और एलियन खोजों को लेकर उत्सुक लोगों को बाकायदा परेशान किया हुआ था. डॉ. रॉबर्ट्स ने कहा, हालांकि इनमें से कई दावों में किसी ऐक्सपीरियंस के आधार पर सबूत का अभाव है, फिर भी वे अज्ञात के प्रति आकर्षण और छिपे हुए स्थानों

हेलीकॉप्टर से लाखों मच्छर छोड़ रहा यह देश

दुर्लभ पक्षियों को बचाने के लिए हवाई ने एक अनोखी तकनीक अपनाई है। देश में हेलीकाप्टरों से लाखों मच्छर पनप रहे हैं। कहा जाता है कि, रंगीन पक्षियों के विशाल झुंड 1800 के दशक में पहली बार यूरोपीय और अमेरिकी जहाजों द्वारा मच्छरों को ले जाकर मलेरिया से मर रहे थे। रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित नहीं होने के कारण, पक्षी केवल एक बार संक्रमित मच्छरों को काटने के बाद मर सकते हैं। देश में हनीक्रूपर की तांत्रिकों की तांत्रिकों की विलुप्ति हो गई है और जो 17 भाग्य उनमें से कई अत्यधिक खतरे में हैं, चिंता की बात है कि अगर कोई कार्रवाई नहीं की गई तो कुछ एक साल के भीतर ये पूरी प्रजाति विलुप्त हो सकती है। उन्हें इन का एक ही उपाय है अधिक से अधिक मच्छरों को छोड़ो।

हनीक्रूपर को बचाने के लिए देश में एक हेलीकॉप्टर से 250,000 नर मच्छरों को प्राकृतिक रूप से उपलब्ध कराने वाले जाने वाले जीवाणुओं के साथ-साथ सुदूर द्वीपसमूह के द्वीपों पर छोड़ा जा रहा है, जो जन्म नियंत्रण के रूप में कार्य करता है। पहले ही 10 मिलियन मच्छर फट जा चुके हैं।

माउई द्वीप पर हलकेला राष्ट्रीय उद्यान के वन पक्षी कार्यक्रम समन्वयक क्रिस वॉरेन ने न्यूज एजेंसी माईन को बताया, केवल एक चीज जो अधिक दुखद है वह यह है कि अगर [पक्षी] विलुप्त हो गए और हमने कोशिश नहीं की। आप कोशिश कर सकते हैं तो ही कर सकते हैं। राष्ट्रीय उद्यान सेवा के अनुसार, एक हनीक्रीपर, कौई क्रीपर, या काकीकिकी की आबादी 2018 में 450 से बढ़कर 2023 में पांच हो गई है, कौई द्वीप पर जंगल में केवल एक ही पक्षी बचा है।

हनीक्रूपर्स में कैनरी जैसा गाना और अविश्वसनीय विविधता होती है। इसकी प्रत्येक प्रजाति विशेष चोंच के आकार के साथ विकसित हुई है, जो घोंघों से लेकर फल और विभिन्न खाद्य पदार्थों के खाने के लिए तैयार की गई है। वे पेड़-पौधों के तंत्र का एक महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, जो जानवरों को खाने में मदद करते हैं।इसमें 2,50,000 नर मच्छरों को साप्ताहिक रूप से हेलीकॉप्टर से गिराना शामिल है।

विज्ञान की दुनिया का सबसे बड़ा कमाल अब मरे हुए पूर्वजों से बात करना संभव

विज्ञान के विकास और तकनीकि के तजुर्बे ने अब वह भी संभव कर दिखाया है, जिसकी कल्पना तक कर पाना संभव नहीं था। क्या आप कभी सोच भी सकते थे कि सैकड़ों वर्ष पहले मर चुके अपने पूर्वजों से बात करना संभव है?....शायद नहीं। मगर वैज्ञानिकों ने अब इस असंभव को संभव कर दिया है। द कन्वरसेशन की रिपोर्ट के मुताबिक अब विज्ञान और तकनीकि के बल पर आप भी अपने मरे हुए पूर्वजों से आमने-सामने बैठकर बात कर सकते हैं। उन्हें अपनी बातें बता सकते हैं, उनका सारा हालचाल जान सकते हैं। पूर्वज आपके हर सवाल का जवाब भी देंगे और आपको जीवन में आगे बढ़ने के लिए मर चुका होने के बाद भी सामने से आकर आशीर्वाद देंगे।

यह सुनकर ही आपके होश उड़ गए होंगे। मगर चौंकिये मत आर्टिफीशियल इंटेलीजेंस (एआइ) और कुछ अन्य तकनीकियों की वजह से अब मरे हुए लोगों से बात करना संभव हो गया है। हालांकि यह सुनने में बेहद डरावना और जोखिम भरा लग सकता है, लेकिन अब विज्ञान ने दुनिया का सबसे बड़ा चमत्कार कर डाला है। वैज्ञानिकों का यह दावा भले ही आपको शायद एक आभासी वास्तविकता (वीआर) हेडसेट के माध्यम से काल्पनिक फिल्म में कदम रखने जैसा लग रहा हो, जो रोमांचकारी भी है और थोड़ा डरावना भी। मगर डिजिटल दुनिया में अब ये संभव हो गया है।

कैसे होगी पूर्वजों से वीडियो पर बात

जैसे ही आप इस डिजिटल पिता के साथ बातचीत शुरू करेंगे। आप खुद को एक भावनात्मक रोलरकोस्टर पर पाएंगे। फिर आप उन रहस्यों और कहानियों को उजागर करेंगे, जिन्हें आप कभी नहीं जानते थे, जिससे वास्तविक व्यक्ति को याद करने का आपका तरीका बदल जाता है। यह कोई दूर की बात या काल्पनिक परिदृश्य नहीं है। अब यह डिजिटल आफ्टरलाइफ़ उद्योग की वजह से संभव हो गया है, जो तेजी से विकसित हो रहा है। कई कंपनियां मृत व्यक्तियों के डिजिटल पदचिह्नों के आधार पर उनका आभासी पुनर्निर्माण करने का वादा करती हैं। कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) चैटबॉट और वर्चुअल अवतार से लेकर होलोग्राम तक, यह तकनीक आराम और व्यवधान का एक अजीब मिश्रण प्रदान करती है। यह हमें गहरे व्यक्तिगत अनुभवों में खींच सकता है जो अतीत और वर्तमान, स्मृति और वास्तविकता के बीच की रेखाओं को धुंधला कर देता है।

आपको अपने पूर्वजों से वीडियो कॉलिंग पर बहात कराने के लिए अब डिजिटल आफ्टरलाइफ़ उद्योग बढ़ने लगा है। हालांकि यह कई महत्वपूर्ण नैतिक और भावनात्मक चुनौतियां खड़ी करता है। इनमें सहमति, गोपनीयता और जीवन पर मनोवैज्ञानिक प्रभाव के बारे में चिंताएं भी शामिल हैं। डिजिटल आफ्टरलाइफ़ उद्योग क्या है? वीआर और एआई प्रौद्योगिकियां हमारे प्रियजनों के आभासी पुनर्निर्माण को संभव बना रही हैं।

हवा में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड सोख लेंगे महासागर!

जलवायु संकट से दुनिया तबाह होने का खतरा है. वैज्ञानिकों की एक टीम ने दुनिया को तबाही से बचाने के लिए अनोखी योजना बनाई है. वे वायुमंडल में मौजूद कार्बन डाइऑक्साइड को महासागरों की तलहटी में फंसाना चाहते हैं.

वैज्ञानिकों को लगता है कि जलवायु संकट का हल महासागरों की तलहटी में मिल सकता है. तलहटी में जमा बेसाल्ट चट्टानों में कार्बन डाइऑक्साइड (ष्ट्रह्व2) को फंसाने की क्षमता है. ये हमारे वायुमंडल से ऊष्मा को फंसाने वाली गैस को हटाने में काम आ सकते हैं. वैज्ञानिकों की एक टीम चुनिंदा लोकेशंस पर तैरते हुए ऑफशोर रिग बनाना चाहती है. अभी ऐसे रिग्स के जरिए समुद्र के नीचे से तेल निकाला जाता है, लेकिन ये उसमें ष्ट्रह्व2 इंजेक्ट करेंगे.समुद्र में उतराते हुए ये स्टेशन खुद की विंड टर्बाइनों से चल सकते हैं. वैज्ञानिकों के अनुसार, ये आकाश से (यहां तककि समुद्री पानी से भी) कार्बन डाइऑक्साइड को सोख लेंगे और इसे समुद्र तल के छेदों में पंप कर देंगे. वैज्ञानिक इस प्रोजेक्ट को %सॉलिड कार्बन% कह रहे हैं. उन्हें उम्मीद है कि वे जो ष्ट्रह्व2 इंजेक्ट करेंगे, वह हमेशा के लिए समुद्र की तलहटी में चट्टान के रूप में जमा रहेगी.

प्रोजेक्ट पर काम कर रहे वैज्ञानिक मार्टिन शेर्वाथ ने बिजनेस इनसाइडर से बातचीत में कहा कि %इससे कार्बन स्टोरेज बहुत टिकाऊ और सुरक्षित हो जाता है.% स्टोरेज के अन्य तरीकों के उलट, हमें कार्बन के वायुमंडल में वापस लौटने और उससे ग्लोबल तापमान में इजाफे के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं होगी. वैज्ञानिकों को प्रोटोटाइप टेस्ट करने के लिए लगभग 60 मिलियन डॉलर चाहिए.वैज्ञानिकों का अनुमान है कि बेसाल्ट चट्टानें, स्थायी रूप से पृथ्वी के सभी जीवाश्म ईंधनों से निकलने वाले कार्बन से ज्यादा कार्बन जमा कर सकती हैं. इसका मतलब यह नहीं कि जीवाश्म ईंधन को अंधाधुंध जलाना सुरक्षित है. वैज्ञानिकों की जैसी योजना है, जरूरी नहीं कि वह तकनीकी, राजनीतिक और आर्थिक रूप से संभव हो. इस योजना को आगे बढ़ाना धीमा और बेहद खर्चीला होगा.

राष्ट्रपति को लिखा आइंस्टीन का लेटर होगा नीलाम

मिलेंगे 4 मिलियन डालर! आखिर क्या लिखा था

अमेरिका के महान वैज्ञानिक अल्बर्ट आइंसटीन अब इस दुनिया में नहीं हैं लेकिन उनके किस्से अब भी खूब पढ़े- सुने जाते हैं. अब उनका लिखा एक लेटर नीलाम होने जा रहा है. इस बोली से 4 मिलियन डॉलर मिल सकते हैं. उन्होंने यह पत्र 1939 में अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रुजवेल्ट को लिखा था और इसी लेटर के बाद अमेरिका ने वह काम किया था, जिसके बाद दुनिया अब विनाश के कगार पर पहुंच गई है.

नाजी जर्मनी बना सकता है परमाणु बम

बीबीसी की रिपोर्ट के मुताबिक आइंस्टीन ने जब अमेरिकी राष्ट्रपति को लेटर लिखा तो उस वक्त दुनिया में सेकंड वर्ल्ड वार शुरू हो चुकी थी. ऐसे में आइंस्टीन ने राष्ट्रपति फ्रैंकलिन डी रूजवेल्ट को पत्र लिख अंदेशा जताया था कि नाजी जर्मनी परमाणु बम बनाने की राह पर हो सकता है. लिहाजा अमेरिका को उससे निपटने के लिए पहले ही परमाणु कार्यक्रम विकसित कर लेना चाहिए.

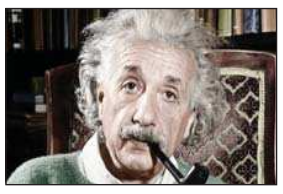

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक रुजवेल्ट ने इस लेटर को बेहद गंभीरता से लिया था. उन्होंने इसके बाद न्यूक्लियर प्रोग्राम शुरू करने के लिए हाई लेवल कमेटी का गठन किया. इस कमेटी का हेड जे रॉबर्ट ओपेनहाइमर को बनाया गया था और उनके नेतृत्व में चले इस सीक्रेट प्रोजेक्ट को मैनहट्टन प्रोजेक्ट कहा गया.

पृथ्वी को तबाही के कगार पर खड़ा कर दिया

इसी प्रोजेक्ट पर काम करते हुए अमेरिका ने दुनिया में पहली बार परमाणु बम का विकास किया और 6 व 9 अगस्त 1945 को जापान के हिरोशिमा और नागासाकी पर

पृथ्वी के पास एक ही मामा क्यों है?

बृहस्पति के पास 95 चंद्रमा, शनि के पास 146 चांद

द कन्वर्सेशन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, हर ग्रह के पास चन्द्रमा नहीं होता. सवाल है कि केवल कुछ ग्रहों के पास कई चन्द्रमा क्यों हैं जबकि कुछ के पास एक भी चंद्रमा क्यों नहीं है? सबसे पहले चंद्रमा को प्राकृतिक उपग्रह कहा जाता है. खगोलशास्त्री उपग्रहों को अंतरिक्ष में मौजूद ऐसी वस्तुओं के रूप में देखते हैं जो बड़े पिंडों की परिक्रमा करते हैं. चूंकि चंद्रमा मानव निर्मित नहीं है, इसलिए यह एक प्राकृतिक उपग्रह है. दिलचस्प यह है कि कुछ ग्रहों के पास चंद्रमा होने के दो मुख्य कारण हैं. चंद्रमा अगर ग्रह के हिल स्फीयर रेडियस के भीतर होते है।

हर ग्रह के पास चंद्रमा नहीं, हर ग्रह के पास एक ही चंद्रमा हो यह भी जरूरी नहीं (प्रतीकात्मक फोटो)हर ग्रह के पास चंद्रमा नहीं, हर ग्रह के पास एक ही चंद्रमा हो यह भी जरूरी नहीं।

हमारी पृथ्वी से रात में ऊपर देखने पर आप सैकड़ों हजारों मील दूर चमकते हुए चंद्रमा को देख सकते हैं लेकिन अगर आप शुक्र ग्रह पर जाएं तो ऐसा नहीं होगा. इसका मतलब है कि पृथ्वी जो खुद एक ग्रह है, अन्य ग्रहों से कई मायनों में अलग है. इसका मतलब यह भी है कि हर ग्रह के पास चंद्रमा नहीं होता लेकिन साथ ही एक सच और है कि हर ग्रह के पास एक ही चंद्रमा हो जरूरी नहीं. बृहस्पति के 95 चंद्रमा हैं जबकि शनि के 146 चंद्रमा हैं.

द कन्वर्सेशन में छपी रिपोर्ट के मुताबिक, हर ग्रह के पास चन्द्रमा नहीं होता. सवाल है कि केवल कुछ ग्रहों के पास कई चन्द्रमा क्यों हैं जबकि कुछ के पास एक भी चंद्रमा क्यों नहीं है? सबसे पहले चंद्रमा को प्राकृतिक उपग्रह कहा जाता है. खगोलशास्त्री उपग्रहों को अंतरिक्ष में मौजूद ऐसी वस्तुओं के रूप में देखते हैं जो बड़े पिंडों की परिक्रमा करते हैं. चूंकि चंद्रमा मानव निर्मित नहीं है, इसलिए यह एक प्राकृतिक उपग्रह है. दिलचस्प यह है कि कुछ ग्रहों के पास चंद्रमा होने के दो मुख्य कारण हैं. चंद्रमा अगर ग्रह के हिल स्फीयर रेडियस के भीतर होते हैं या सौर मंडल के साथ

मिलकर बनते हैं तो गुरुत्वाकर्षण द्वारा खींच लिए या पकड़ लिए जाते हैं.

क्या है हिल स्फीयर रेडियस ?

वस्तुएं आस-पास की अन्य वस्तुओं पर गुरुत्वाकर्षण बल लगाती हैं. इससे वे उन्हें एक दूसरे की तरफ खींचती हैं. जो वस्तु जितनी बड़ी होगी उसका आकर्षण बल उतना ही अधिक होगा. गुरुत्वाकर्षण बल ही वह कारण है जिसके चलते हम सभी पृथ्वी से दूर जाने के बजाय उससे जुड़े रहते हैं, क्योंकि इसके कारण ही पृथ्वी हमें अपनी तरफ खींचती है. सौरमंडल पर सूर्य के विशाल गुरुत्वाकर्षण बल का प्रभुत्व है जो सभी ग्रहों को अपनी कक्षा में बनाए रखता है. सूर्य हमारे सौरमंडल में सबसे विशाल चीज है इसलिए ग्रहों जैसी वस्तुओं पर इसका सबसे अधिक गुरुत्वाकर्षण प्रभाव है.

किसी उपग्रह को किसी ग्रह की परिक्रमा करने के लिए उसे ग्रह के इतना करीब होना चाहिए कि ग्रह उसे अपनी कक्षा में रखने के लिए पर्याप्त बल लगा सके. किसी उपग्रह को कक्षा में रखने के लिए ग्रह द्वारा तय की गई न्यूनतम दूरी को हिल स्फीयर रेडियस कहा जाता है. हिल स्फीयर रेडियस बड़ी वस्तु और छोटी वस्तु दोनों के द्रव्यमान यानी मास पर आधारित है.

अधिक गुरुत्वाकर्षण बल का है खेल!पृथ्वी की परिक्रमा करने वाला चंद्रमा इस बात का एक अच्छा उदाहरण है कि हिल स्फीयर त्रिज्या कैसे काम करती है।

चौसा कोचस मुख्य पथ हुआ जानलेवा हर एक किलोमीटर पर बना गड्ढा

अधिकारियों की घोषणाएं हुई हवा, खानापूर्ति करने में विभाग आगे

पटना (संवाददाता)।

राजपुर चौसा कोचस मुख्य पथ का अब तक मरम्मत नहीं किया गया है। जगह जगह गड्ढा बन जाने से हादसे की संभावना अधिक बढ़ गई है। विगत पांच महीने पूर्व जन संवाद कार्यक्रम में वरीय अधिकारी ने घोषणा किया था कि शीघ्र ही इस पथ का मरम्मतीकरण किया जाएगा फिर भी गड्ढो में कांक्रीट भरकर छोड़ दिया गया। इस मुख्य पथ से प्रतिदिन हजारों की संख्या में छोटी एवं बड़ी गाड़ियों का परिचालन है। गड्ढा हो जाने से अक्सर दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। दो जिला मुख्यालय को जोड़ने वाले इस रोड पर बक्सर से सासाराम तक आने जाने वाले यात्री बसों का भी परिचालन होता है। माल वाहक बड़ी गाड़ियों का भी इस पर परिचालन 24 घंटे रहता है। इस रोड पर कोचाढ़ी सरेंजा भलुहा राजपुर बाजार नायरा पेट्रोल पंप करैला डेरा गांव जमौली तियरा बघेलवा मोड़ जलहरा के अलावा अन्य जगहों पर बड़ा गड्ढा बन गया है। हर एक किलोमीटर पर गड्ढा होने से गाड़ियों की गति बहुत धीमी है। जिसमें सबसे अधिक खराब स्थिति तियरा बघेलवा मोड़ की है। यहां लगभग दो से ढाई फीट तक गड्ढा हो जाने से यहां गाड़ियों का जाम लगा रहता है। इस रास्ते से गुजरने वाली सभी गाड़ियों को रुक कर कुछ देर तक इंतजार करना पड़ता है जिससे कभी कभी जाम की भी समस्या हो जा रही है। दोपहिया चालक तो इस गड्ढे में गिरकर घायल भी हो जाते हैं। इसका निर्माण पथ निर्माण विभाग के जिम्मे है। बावजूद इसे ज्यों का त्यों छोड़ दिया गया है। इसी रास्ते से होकर स्कूल में पढ़ने वाले छात्र भी जाते हैं। वर्षा होने पर इन गड्ढों में पानी भर जाता है। गंदे पानी का कीचड़ इनके ड्रेस पर पड़कर गंदा हो जाता है। इस रास्ते से ही मध्य विद्यालय ,उच्च विद्यालय एवं तारा शिवशंकर इंटर कॉलेज भी है। जिस रास्ते से सभी स्कूल एवं कॉलेज के छात्र-छात्राओं का आना जाना है। इसके अलावा इस क्षेत्र के लिए प्रसिद्ध बाजार भी यही है। जिस बाजार में देवढ़ीया, जमौली, रसेन, तिलकड़ा डेरा, अकबरपुर, अकोढ़ी, हरपुर के अलावा दर्जनभर गांव के लोगों का आना जाना है। स्थानीय ग्रामीण भीम राम संजय सिंह संतोष सिंह मिथिलेश सिंह शिक्षक जितेंद्र सिंह ने बताया कि यहां तिमुहानी होने से अधिक परेशानी होती है। गड्ढों का मरम्मत होना जरूरी है।

दिव्यांगजन स्पेशल ओलंपिक जिला कार्यकारिणी का गठन

बक्सर (संवाददाता)। दिव्यांगजनों के प्रखंडस्तरीय खेल प्रतियोगिताओं में भाग लेने को लेकर रविवार को दिव्यांगजन जिला कार्यकारिणी का गठन किया गया। जिसमें निरंजन कुमार को जिलाध्यक्ष बनाया गया। वहीं, शंकर प्रसाद गुप्ता जिला सचिव, आदित्य रंजन संयुक्त सचिव, अंजू कुमार कोषाध्यक्ष एवं लालू तूरहा को जिला खेलकूद कार्यक्रम को-आर्डिनेटर मनोनीत किया गया। कार्यकारिणी में कुल सात सदस्य हैं। टीम के सहयोग से दिव्यांगजन प्रखंडों में होने वाले खेल प्रतियोगिता में भाग लेकर जिले का नाम रौशन करेंगे।

पटना स्थित जीरो माइल न्यू बस स्टैंड संपतचक स्थित बिहार राज्य के प्रधान कार्यालय चाइल्ड कंसर्न में रविवार को आमसभा हुई। जिसमें राष्ट्रीय दिव्यांगजन एक्टिविस्ट एवं पूर्व राज्य आयुक्त नि:शक्ता बिहार सरकार डॉज़.शिवाजी कुमार, पीडब?लूडी संघ के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष हृदय यादव, पैरा ओलंपिक ऑफ़ इंडिया के सदस्य एवं राज्य खेल निदेशक बिहार पैरा स्पोर्ट्स एसोसिएशन, स्पेशल ओलंपिक बिहार संदीप कुमार, राज्य प्रोग्राम मैनेजर पटना संतोष कुमार सिन्हा एवं सभी 38 जिला कार्यकारिणी की टीम उपस्थिति रही। खेल कार्यक्रम को लेकर अगले 1 वर्ष के लिए कैलेंडर तैयार किया गया। साथ ही, कब, कहां दिव्यांगजन के लिए खेल-कूद होना है। इसकी रूपरेखा बनाई गई।

खेल जीवन का आकार देने में अहम भूमिका निभाता है : एसडीएम

तीन दिवसीय 35 वां प्रांतीय खेलकूद प्रतियोगिता का हुआ समापन

पटना (संवाददाता)। सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय 35 वां प्रांतीय समूह खेलकूद कबड्डी एवं खो खो प्रतियोगिता का समापन रविवार को हुआ। इसमें दक्षिण बिहार के सत्रह जिलों से लगभग आठ सौ खिलाड़ीयों ने भाग लिया।

इस प्रतियोगिता में बक्सर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। समापन समारोह कार्यक्रम का उदघाटन मुख्य अतिथि एसडीएम धीरेंद्र मिश्र,भारती शिक्षा समिति बिहार पटना के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं विभाग संयोजक डॉ हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने संयुक्त रूप दीप प्रज्जवलित कर किया। स्वागत एवं परिचय प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने किया। वही अध्यक्षता राजेश प्रताप सिंह ने किया। मंच संचालन विभाग प्रमुख उमाशंकर पोद्दार ने की। मुख्य अतिथि एसडीएम ने कहा कि खेल समय बिताने के लिए नहीं बल्कि जीवन का आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। खेल को कैरियर के रूप में अपना कर आगे बढ़ सकते हैं। वही प्रदेश सचिव ने कहा कि कबड्डी खेल केवल खेल नहीं है, बल्कि हमारी संस्कृति और सभ्यता भी है हमें आपस में अनुशासन समरसता एवं एकजुटता का संदेश देता है। खेलकूद से शारीरिक व मानसिक रूप से स्वस्थ रहता है। खिलाड़ियों में आपस में टीम भावना उत्पन्न होता है। इस प्रकार से खेल खिलाड़ी देश और राज्य का नाम रोशन करते हैं। वही आभार ज्ञापन शारीरिक के क्षेत्रीय संयोजक ब्रहमदेव प्रसाद ने किया।

खबर-खास

जीवन को आकार देने में अहम भूमिका निभाता है खेल

बक्सर (संवाददाता)।

नगर के अहिरौली स्थित सरस्वती विद्या मंदिर में चल रहे तीन दिवसीय 35 वें प्रांतीय समूह खेलकूद कबड्डी एवं खो-खो प्रतियोगिता का रविवार को समापन हुआ। इसमें दक्षिण बिहार के 17 जिलों से 800 सौ खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता में बक्सर के खिलाड़ियों ने बेहतर प्रदर्शन किया। समापन समारोह कार्यक्रम का उद्घाटन मुख्य अतिथि एसडीएम धीरेंद्र मिश्र, भारती शिक्षा समिति बिहार पटना के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा एवं विभाग संयोजक डॉ. हनुमान प्रसाद अग्रवाल ने संयुक्त रूप दीप प्रज्जवलित कर किया। वहीं, स्वागत एवं परिचय प्रधानाचार्य रामजी प्रसाद सिन्हा ने किया।

अध्यक्षता राजेश प्रताप सिंह व संचालन विभाग प्रमुख उमाशंकर पोद्दार ने किया। इस मौके पर एसडीएम ने कहा कि खेल जीवन का आकार देने में अहम भूमिका निभाता है। प्रदेश सचिव ने कहा कि कबड्डी खेल हमारी संस्कृति और सभ्यता भी है। खेलकूद से टीम भावना का भी विकास होता है। आभार ज्ञापन शारीरिक क्षेत्रीय संयोजक ब्रह्मदेव प्रसाद ने किया।

कबड्डी प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर तिलौथू विजेता और हसनपुर राजगीर उपविजेता रहा। जबकि, बालिका वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर रामगढ़ विजेता व तिलौथू उपविजेता रहा।

अंडर 17 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर अहिरौली विजेता व रामगढ़ उपविजेता बना। बालिका वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर नया बाजार बक्सर विजेता एवं औरंगाबाद उपविजेता रहा। अंडर 19 के बालक एवं बालिका वर्ग में हसनपुर, राजगीर विजेता रहा। खो-खो प्रतियोगिता में अंडर 14 बालक वर्ग में सरस्वती शिशु मंदिर पुरानीगंज विजेता, मोहनिया उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर बालिकाखंड बक्सर विजेता और सादीपुर मुंगेर उपविजेता रहा। वहीं, अंडर 17 बालक वर्ग में सैनिक सरस्वती विद्या मंदिर पटना विजेता, बांका उपविजेता रहा। बालिका वर्ग में नवीनगर औरंगाबाद विजेता व बालिका खंड बक्सर उपविजेता रहा। अंडर 19 बालक वर्ग में सरस्वती विद्या मंदिर औरंगाबाद विजेता व हसनपुर राजगीर उपविजेता रहा। विजेता खिलाड़ियों को अतिथियों ने कप, मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर पुरस्कृत किया गया। प्रांतीय प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पाने वाले खिलाड़ी 16 एवं 17 जुलाई को सरस्वती विद्या मंदिर लोहरदगा, झारखंड में आयोजित क्षेत्रीय खेलकूद प्रतियोगिता में भाग लेंगे। खेलकूद प्रमुख राकेश पांडेय ने बताया कि लोहरदगा जाने के लिए बच्चों की बेहतर तैयारी कराई जाएगी। समापन समारोह में विभाग प्रमुख बीरेंद्र कुमार, सतीश चंद्र त्रिपाठी, दीपक कुमार, गंगा प्रसाद, जीवन राठौर, जितेंद्र लाल, वीरेंद्र कुमार, चंद्रशेखर कुमार, अविनाश कुमार, ईश्वरचंद्र, सत्येंद्र उपाध्याय व मदन पांडेय थे।

ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करायेंगे शिक्षक

बक्सर (संवाददाता)। आज से जिले के सरकारी विद्यालय के हेडमास्टर, शिक्षक व शिक्षिका ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करायेंगे। वहीं किसी तरह की तकनीकी समस्या आने पर अपने बीआरसी में संपर्क करेंगे। बता दें कि जिले के सभी सरकारी विद्यालयों में ई-शिक्षाकोष मोबाइल एम्लीकेशन पर उपस्थिति बनाने को लेकर रविवार को प्रशिक्षण अभियान चलाया गया।

इस संबंध में रविवार को जारी पत्र में बताया कि सभी सरकारी विद्यालयों के शिक्षकों को मोबाइल एप के जरिए ऑनलाइन उपस्थित दर्ज कराना अनिवार्य है। ऐसे में इसमें आने वाली तकनीकी समस्याओं के निराकरण करने और शून्य उपस्थिति दर्ज करने वाले विद्यालयों के सभी हेडमास्टरों को बाजार समिति स्थित नेहरू स्मारक उच्च विद्यालय में प्रशिक्षण दिया गया। बताया कि ई-शिक्षाकोष पर ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में लापरवाही करने वाले विद्यालयों के खिलाफ कार्रवाई की जायेगी।

राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता के लिए छात्रों को करे प्रोत्साहित

बक्सर (संवाददाता)। 01 जुलाई से 21 अगस्त तक संचालित होने वाली राष्ट्रीय छात्र पर्यावरण प्रतियोगिता में छात्रों को शामिल होने के संबंध में राज्य शिक्षा परियोजना परिषद ने जिले के डीईओ व डीपीओ को पत्र जारी किया है। जिसमें बताया गया है कि ऑनलाइन प्रतियोगिता कक्षा 01 से आगे तक के छात्रों के लिए निशुल्क आयोजित की गई है। ऐसे में इसके पंजीकरण के लिए 01 जुलाई से 21 अगस्त तक तिथि निर्धारित है। वहीं विभाग ने संबंधित अधिकारियों व हेडमास्टरों को इस प्रतियोगिता में अधिक से अधिक छात्रों को सम्मिलित करने के लिए प्रोत्साहित करने का निर्देश जारी किया है।

जिला शिक्षा पदाधिकारी का प्रभार शारीक अशरफ को मिला

बक्सर (संवाददाता)। जिला शिक्षा पदाधिकारी के तौर पर तैनात अनिल कुमार द्विवेदी 30 जून को सेवानिवृत हो गये। तत्काल के लिए शारीक अशरफ को डीईओ का प्रभार दिया गया है। मूल रूप से सीवान जिले के रहने वाले अनिल कुमार द्विवेदी ने अगस्त 2022 में अपना योगदान डीईओ पद पर दिया था। उन्होंने बताया कि वह 18 मार्च 1991 को अवर शिक्षा सेवा में बहाल हुए थे। वर्ष 2007 में डीपीओ पद पर उनको प्रमोशन मिला था। अलग-अलग जिले में वह कार्यरत रहे। अंत में उन्हें डीईओ के रूप में बक्सर में प्रमोशन मिला। यहीं से रिटायर कर रहे है। विभागीय सूत्रों के अनुसार जल्द ही सरकार जिले में नये डीईओ की पोस्टिंग करने वाली है। अनिल कुमार द्विवेदी का कार्यकाल शांतिपूर्ण तरीके से बीता है। इनके कार्यप्रणाली काफी सरल रही। यह अधिकारी व शिक्षकों के बीच सांमजस्य बैठाकर कार्य करते रहे। कई विवादों को शांतिपूर्ण तरीके से समाधान निकला।

नशे में हंगामा मचा रहा युवक गिरफ्तार

नावानगर(संवाददाता)। स्थानीय पुलिस ने थाना क्षेत्र के परमानपुर गांव से शराब के नशे में हंगामा मचा रहे एक युवक को गिरफ्तार कर कोर्ट भेज दिया है। गिरफ्तार युवक परमानपुर गांव निवासी महेंद्र साह था। पुलिस ने बताया कि युवक के परिवार वालों ने सूचना दी कि युवक शराब के नशे में मारपीट और हंगामा कर रहा है। सूचना पर पहुंची पुलिस ने युवक को हिरासत में लेकर सीएचसी में मेडिकल जांच कराई। जांच में अल्कोहल की पुष्टि होने के बाद उसे कोर्ट भेज दिया गया।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक मतिउर्रहमान द्वारा अजीमाबाद प्रिंटर्स, आर. सी. एफ./105, ग्राउण्ड फ्लोर, बी. एच. कॉलोनी, भूतनाथ रोड, कंकड़बाग, पटना- 800026 बिहार से मुद्रित एवं अमला टोली, मेन रोड़, बक्सर -802101, बिहार से प्रकाशित, संपादक- मतिउर्रहमान, E-mail:- qalamlok@gmail.com, Regn. No. BIHHIN/2017/72480